भोपाल, गुरुवार 12 जून 2025 ■ वर्ष : 36 ■ अंक : 111 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1 रु. www.amritdarshan.com Email : amritdarshan@yahoo.com RNI NO. 50259/90

मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

अहमदाबाद में प्लेन क्रैश

- पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी सहित 242 यात्रियों से भरा विमान लंदन जा रहा था
- प्लेन बना आग का गोला, दूर तक दिखा धुएं का गुबार

- रिहायशी क्षेत्र में प्लेन गिरने की वजह से बड़े नुकसान की आशंका
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात सीएम से ली जानकारी

अहमदाबाद ■ एजेंसी

गुजरात के अहमदाबाद में आज गुरुवार की दोपहर में प्लेन क्रैश हुआ है, जिसकी डरावनी तस्वीरें सामने आ रही हैं। अहमदाबाद के मेघानीनगर इलाके में आग की बड़ी-बड़ी लपटें देखी गईं। वहीं, काले धुएं का गुबार दूर से ही देखा जा सकता है। अ शुरुआती जानकारी के अनुसार, सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट में यह दर्दनाक हादसा हुआ है। बताया गया है कि इसमें 242 यात्री सवार थे। खासबात ये है कि विमान रिहायशी क्षेत्र में क्रैश हुआ है ऐसे में बड़े नुकसान की आशंका जताई गई है। मौके पर फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस भेजी गई हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है। पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने घटना को लेकर गुजरात सीएम से जानकारी मांगी है।

विमान का एक विंग टूटकर नीचे गिरा

तस्वीर में दिख रहा है कि विमान का एक विंग टूटकर गिर गया है। दमकल कर्मी पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। आग पर कुछ हद तक काबू पा लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

जन परिषद समारोह में शिरकत करेंगी दुबई की इंटरनेशनल मॉडल विद्याजोशी

भोपाल। बी यूनिक इंटरनेशनल मिसेज दुबई, मोस्ट पॉपुलर फेसऑफ आबू धाबी, लोकप्रिय रनवे मॉडल एवं एक्ट्रेस सुश्री

विद्या जोशी पटेल, अग्रणी संस्था जन परिषद के 36 वें वार्षिक समारोह में शिरकत करने के लिए बतौर विशिष्ट अतिथि आगामी 13 जून को दुबई से भोपाल आयेंगी। समारोह में राज्यपाल, विधान सभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर, गोपाल भार्गव, संजय पाठक, प्रह्लाद पटेल, एंदेल सिंह कंसाना एवं हेमंत खंडेलवाल को भी आमंत्रित किया है। संस्था के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एनके त्रिपाठी एवं महासचिव अजय श्रीवास्तव नीलू ने बताया कि जून में जनपरिषद की रचनात्मक यात्रा के 36 वर्ष पूरे हो रहे हैं। परंपरानुसार यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। जिसमें जन परिषद के 275 चैप्टर्स के प्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक शामिल होते हैं। देश प्रदेश के उपलब्धि प्राप्त व्यक्तियों को सम्मानित भी किया जाता है। जन परिषद एवं इसके विभिन्न चैप्टर्स पिछले 36 वर्षों में 1300 से अधिक लोगों को सम्मानित कर चुके हैं।

शादी के 15 दिन बाद ही पत्नी ने पति को कुल्हाड़ी से काटा

सांगली। महाराष्ट्र के सांगली में शादी के 15 दिन बाद ही एक महिला ने अपने पति की हत्या कर दी। महिला ने सोते हुए पति पर कुल्हाड़ी से हमला किया और पति की जान ले ली। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। सांगली जिले के कुपवाड़ में राधिका लोखंडे नामक महिला ने अपने पति की हत्या कर दी। राधिका की 23 मई को ही अनिल लोखंडे से शादी हुई थी। शादी के महज तीन हफ्ते बाद ही इसका खौफनाक अंत हुआ। पुलिस ने बताया कि 27 वर्षीय राधिका और 53 साल के अनिल के बीच 10 जून की देर रात झगड़ा हुआ था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने बताया कि दंपति के बीच शारीरिक संबंध बनाने को लेकर झगड़ा हुआ था। इसी झगड़े में राधिका ने सोते समय अनिल के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर उसकी जान ले ली।

राजा हत्याकांड: सोनम की एक गलती से पुलिस ने सुलझाया केस

होमस्टे पर छोड़ा था मंगलसूत्र और अंगूठी, तभी सोनम पर गहराया शक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राजा रघुवंशी हत्याकांड से हर कोई स्तब्ध है। राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी को हत्या का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। इस खुलासे के बाद से दोनों परिवार सदमे में हैं। इस मामले में एक के बाद एक कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। मेघालय पुलिस ने बताया है कि, कैसे उन्हें इस मामले में सबसे बड़ा सुराग मिला और उनकी जांच सोनम पर फोकस हो गई।

मामले में सोनम और राज समेत 5 आरोपियों को 8 दिन की रिमांड पर मेघालय पुलिस को सौंपा गया है। आज मेघालय पुलिस आरोपियों का आमना-सामना कराने के साथ सीन रीक्रिएशन भी करा सकती है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बुधवार सुबह जब 11 बजे सोनम से पूछताछ की गई तो उसने खुद के साथ डकैती होने का दावा किया। लेकिन, जब पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, कॉल रिकॉर्ड, मौका-ए-वारदात से मिला रेनकोट, खून से सनी शर्ट जैसे सबूत दिखाए तो वो चीख-चीखकर रोने लगी।

मेघालय की डीजीपी इदाशीशा नोंग्रांग ने कहा- पुलिस को होम स्टे में छूटे सोनम के सूटकेस से मंगलसूत्र और अंगूठी मिले। यह महत्वपूर्ण सुराग है। इसने केस को सुलझाने में मदद की।

सोनम और अन्य चारों मास्टरमाइंड की रात बेचैनी में बिगड़ी

तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा न करना बना पहला सुराग

मेघालय पुलिस की एसआईटी के लिए नवदंपती का मेघालय यात्रा की कोई भी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट न करना पहला सुराग साबित हुआ। दंपती के इस व्यवहार को अजीब मानते हुए एसआईटी ने 42 वीडियो फुटेज की जांच की और उनके व्यवहार पैटर्न और आवाजाही का अध्ययन किया। ये फुटेज मामले में आखिरकार महत्वपूर्ण साबित हुए। मेघालय पुलिस ने राजा की हत्या की गुत्थी सुलझाने और संदिग्धों को पकड़ने के अभियान को अनौपचारिक रूप से ऑपरेशन हनीमून नाम दिया गया था।

सोनम ने रेनकोट हत्यारे को दिया था

अपराध स्थल से मिले साक्ष्यों में एक रेनकोट भी था। सोनम ने यह रेनकोट हमलावरों में से एक आकाश राजपूत को दिया था और एक अन्य संदिग्ध द्वारा पहना गया मैचिंग जैकेट भी शामिल था। जांचकर्ताओं ने राजा के डिवाइस से एक मोबाइल स्क्रीन भी बरामद की गई है।

बेचैनी में कटी रात

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शिलांग सदर पुलिस स्टेशन में सोनम और अन्य चारों मास्टरमाइंड की रात बेचैनी में बिगड़ी। इन सभी से एक-एक कर पूछताछ की जा रही है। सोनम रघुवंशी और चारों आरोपियों को पुलिस ने शिलांग पुलिस स्टेशन में रखा हुआ है। शिलांग पुलिस स्टेशन के बाहर इसी वजह से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

विवाह के प्रतीक चिह्न छोड़ना महत्वपूर्ण संकेत था

राजा का शव 2 जून को एक झरने के पास एक गहरी घाटी में मिला था। सोनम की तलाश जारी रही, जो 9 जून की सुबह करीब 1,200 किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में मिली थी। डीजीपी नोंगरांग ने बताया, सोनम का मंगलसूत्र और एक अंगूठी हमें उस सूटकेस में मिली थी। जिसे दंपती ने सोहरा के होमस्टे में छोड़ा था।

एक विवाहित महिला द्वारा अपने विवाह के प्रतीक चिह्न छोड़ देना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण संकेत था, जिससे हमने उसे संदिग्ध के रूप में मानते हुए जांच की दिशा तय की। जांच से जुड़े एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि दंपति 22 मई को बिना किसी अग्रिम बुकिंग के सोहरा के एक होमस्टे में पहुंचे थे। उन्हें वहां कमरा नहीं मिला, इसलिए उन्होंने सोचा कि 3,000 से अधिक सीढ़ियों वाले ट्रेक पर अपने साथ सूटकेस ले जाना मुश्किल होगा। उन्होंने सूटकेस वहीं होमस्टे में छोड़ दिया और नोंग्रियात गांव स्थित डबल डेकर रूट ब्रिज देखने के लिए निकल पड़े।

भोपाल की है पीड़िता

नाबालिग रेप पीड़िता को गर्भपात की अनुमति हाईकोर्ट का फैसला

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने रेप पीड़िता नाबालिग को गर्भपात करने की अनुमति दे दी है, हाई कोर्ट ने कहा है कि क्योंकि नाबालिक का गर्भ 28 सप्ताह से ज्यादा है।

लिहाजा डॉक्टरों की विशेष निगरानी में गर्भपात किया जाए। दरअसल दमोह निवासी एक नाबालिग और उसके परिवार ने दमोह जिला एवं सत्र न्यायालय में गर्भपात की अनुमति के लिए याचिका लगाई थी, जिसको सुनते हुए जिला एवं सत्र न्यायालय ने हाई कोर्ट को एक पत्र भेजा था। जिस पर हाईकोर्ट ने गर्भपात करने की अनुमति दे दी है।

हाई कोर्ट ने कहा है की नाबालिग का गर्भपात महिला विशेषज्ञ की निगरानी में किया जाए। साथ यह भी कहा है कि यदि बच्चा जिंदा पैदा होता है तो उसके देखरेख की जिम्मेदारी शासन की होगी। वहीं यदि बच्चा मृत निकलता है तो फिर डीएनए जांच के लिए उसका भ्रूण सुरक्षित रखने के भी निर्देश दिए गए हैं।

28 सप्ताह से ज्यादा का गर्भ, डॉक्टरों की विशेष निगरानी में होगा अबॉर्शन

नाबालिग की मेडिकल रिपोर्ट में खतरे की बात

बता दें कि रेप पीड़िता नाबालिग का गर्भ 28 सप्ताह से ज्यादा का हो चुका है, लिहाजा उसके मेडिकल रिपोर्ट में जोखिम की बात की गई है। जिस पर पीड़िता की मां ने हाईकोर्ट में गुहार लगाई थी हम हर जोखिम उठाने के लिए तैयार है। जिसे हाईकोर्ट में गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द डॉक्टर की निगरानी में गर्भपात की अनुमति दी है। अब अनुमति मिलने के बाद पीड़िता को दमोह से जबलपुर के मेडिकल कॉलेज लाया जाएगा। जहां पर डॉक्टरों और रेडियोलॉजिस्ट की विशेष निगरानी में पीड़िता का गर्भपात किया जाएगा।

अंतर्मना उवाच

समय बहरा है कभी किसी की सुनता नहीं है.. फिर वो राजा हो या रंक, संत हो या फकीर, गरीब हो या अमीर.. लेकिन समय अंधा नहीं है, वो सबकी हरकतें देख रहा है..!

*इसलिए अच्छे समय का इंतज़ार अच्छी बुद्धि और अच्छी सोच वाले नहीं करते। **किसी ने प्रश्न पूछा - गुरुदेव आप अभी से इतनी तप साधना उपवास क्यों कर रहे हैं..?** अभी तो बहुत समय है। **हमने कहा - समझदार और बुद्धिमान लोग अच्छे समय और उम्र का इंतज़ार नहीं करते।** क्योंकि मनुष्य जीवन 83 लाख 99 हजार 9 सौ 99 योनियों में भटकने के बाद मिला है। मनुष्य जीवन के अलावा कीट, पतंगा, पशु, पक्षी और अनेक जीव जन्तु हैं जो मनुष्य जैसे भाग्यवान नहीं हैं, वे हतभागी हैं। क्योंकि उनके पास विवेक बुद्धि नहीं है। **मनुष्य जीवन पाकर भी यदि हम तप, त्याग, सत्कर्म, सेवा नहीं कर पाये तो मानकर चलना कि वे भविष्य में कीड़े मकोड़े, पशु पक्षी, वृक्ष, लता बनने की तैयारी कर रहे हैं।** मनुष्य जीवन पाकर जिसने तप, त्याग, संयम, सत्कर्म, सेवा, दान, परोपकार कर लिया, उसने मनुष्य जीवन की दुर्लभता का मूल्य वसूल लिया। अन्यथः मनुष्य होकर हम मनुष्य का जीवन नहीं जी पा रहे हैं।*

साधु संत, त्यागी, व्रती बनने के बाद भी हम साधु संत, त्यागी, व्रती का जीवन नहीं जी पा रहे हैं तो मानना हमारे लिये 83 लाख, 99 हजार 9 सौ 99 योनि फिर से जन्म लेने का इन्तजार कर रही है। इसलिए -

अच्छे समय का इंतज़ार मत करो, जो समय मिला है उसका ही सदुपयोग करो...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

गर्मी का प्रचंड प्रहार, दिल्ली में पारा 45 डिग्री पार और अहसास 45 डिग्री सा, जानलेवा गर्मी, लू के रेड अलर्ट के बीच अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज भरी दोपहरी में सामायिक करते हुए..

अमेरिका में भारतवंशी का डंका

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष बने श्रीनिवास मुक्कमला

नई दिल्ली। भारतीय मूल के श्रीनिवास मुक्कमला ने अमेरिका में इतिहास रच दिया है। श्रीनिवास अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन

(एएमए) के अध्यक्ष बन गए हैं, जो संगठन के 178 साल के इतिहास में भारतीय मूल के पहले ऐसे चिकित्सक बने। मुक्कमला की नियुक्ति 8 सेमी के ब्रेन ट्यूमर को हटवाने के लिए सर्जरी के कुछ ही महीनों बाद हुई है। उन्होंने कहा कि जब मैं मेयो क्लिनिक में ब्रेन सर्जरी से उबरने के लिए लेटा था, ट्यूब और तारे मेरी हर हरकत पर नजर रख रहे थे, तो यह रात, यह सम्मान और स्वास्थ्य सेवा में सुधार का यह अवसर एक बहुत दूर का सपना लग रहा था। मुक्कमला ने अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा सुधार की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बहुत बड़ी खामियां हैं, जिन पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता है।

शताब्दी एक्सप्रेस पर दतिया और ग्वालियर में पथराव, शीशे टूटे

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिले में शताब्दी ट्रेन कोच के कांच टूटने के मामले में बड़ा खुला हुआ है। ट्रेन पर पथराव हुआ था। लोको पायलट ने झांसी कंट्रोल को इसकी सूचना दी थी। ग्वालियर स्टेशन पर दोनों ट्रेनों को चेक किया गया। इसके बाद जीआरपी ने एफआईआर दर्ज कर पत्थरबाजों की तलाश शुरू कर दी है।

एफआईआर के बाद पत्थरबाजों की तलाश शुरू

दरअसल बुधवार को कमलापति से निजामुद्दीन जा रही शताब्दी एक्सप्रेस के सी-3 कोच की विंडो का शीशा टूटा था। पहले लग रहा था कि कांच पर गिट्टी लगी होगी। बाद में पता चला कि ट्रेन के कांच पर गिट्टी नहीं लगी बल्कि पथराव हुआ। शताब्दी और पातालकोट एक्सप्रेस पर पथराव हुआ था। दतिया से सोनागिरि के बीच पथराव की घटना हुई है। पातालकोट के इंजन पर भी पत्थर फेंके गए थे। जिस ट्रेन में पथराव हुआ उसमें मुरैना से पूर्व विधायक रघुराज सिंह कंसाना यात्रा कर रहे थे।

पश्चिम बंगाल में फिर तनाव

मंदिर में तोड़फोड़ के बाद बवाल, पुलिस पर पथराव

कोलकाता ■ एजेंसी

बीते दिनों मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के बाद पश्चिम बंगाल में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। यहां दक्षिण 24 परगना के महेशतला में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई है। कथित तौर पर स्थिति तब बिगड़ गई जब कुछ लोगों ने एक शिव मंदिर में तोड़फोड़ और पत्थरबाजी की। हिंसा के बाद अब इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। वहीं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक अब तक 40 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और अन्य लोगों की तलाश जारी है।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, छापेमारी की जा रही है और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। भीड़ ने कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। वहीं लोगों ने पुलिस पर पथराव भी किया। रवींद्रनगर पुलिस स्टेशन के बाहर अधिकारियों के साथ लोगों की झड़प हुई है। पथराव के दौरान कई पुलिस कर्मियों के घायल होने की खबर भी सामने आई है।

हाईकोर्ट जाएगी भाजपा

इस बीच भाजपा ने हालिया घटना को लेकर ममता बनर्जी को घेरा है। भाजपा के सुवेंदु अधिकारी ने राज्य सरकार पर हिंसा को बढ़ने देने का आरोप लगाया। अधिकारी ने कहा, रवींद्रनगर में हिंदू समुदाय के साथ घंटों तक लूटपाट, आगजनी और हिंसा हुई, पुलिस चुपचाप देखती रही। उन्होंने कहा है कि वह इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप और केंद्रीय बलों की मांग करेंगे।

सीएम कल ट्रांसफर करेंगे संबल योजना की अनुग्रह सहायता राशि

1 करोड़ 76 लाख श्रमिकों का पंजीयन, 150 करोड़ रुपये अंतरित करेंगे

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता के 6821 प्रकरणों में 150 करोड़ रुपये सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे। कल यानी शुक्रवार को जबलपुर के बरगी में होने वाले इस कार्यक्रम में श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मंत्रीगण, सांसद, विधायक एवं प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। प्रदेश में संबल योजना, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। योजना के अंतर्गत प्रारंभ से अब तक 1 करोड़ 76 लाख श्रमिकों का पंजीयन किया गया है। पंजीयन प्रक्रिया निरंतर जारी है। योजना में अनुग्रह सहायता अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये प्रदान किए जाते हैं। स्थायी अपंगता पर 2 लाख रुपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रुपये तथा अंत्येष्टि सहायता के लिए 5 हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं।

संबल योजना के ये हैं हितग्राही : संबल योजना में जहां एक ओर महिला श्रमिक को प्रसूति सहायता के लिये 16 हजार रुपये दिए जाते हैं, तो वहीं दूसरी ओर श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना में उच्च शिक्षा के लिए संपूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

1.27 करोड़ लाड़ली बहनों का इंतजार खत्म

कल सीएम जारी करेंगे 25वीं किस्त

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की करोड़ों लाड़ली बहनों के लिए खुशखबरी है। योजना की 25वीं किस्त को लेकर इंतजार खत्म होने वाला है। 13 जून शुक्रवार को सीएम मोहन यादव जबलपुर से 1.27 करोड़ बहनों के खाते में 1250 रुपए आंतरित करेंगे। इसके साथ ही 26 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग के लिए भी राशि जारी की जाएगी। इसकी जानकारी महिला व बाल विकास विभाग ने एक्स पर पोस्ट करके दी है। इधर, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ऐलान किया है कि रक्षाबंधन में बहनों को इस योजना से अतिरिक्त राशि दी जाएगी। आने वाले समय में योजना की राशि भी 1250 से बढ़ाकर 3 हजार रुपए प्रतिमाह तक की जाएगी। आमतौर पर योजना की किस्त हर महीने की 10 तारीख तक जारी कर दी जाती थी, लेकिन अप्रैल 2025 से तारीख में बदलाव किया गया है।

कार में मिला महिला इन्फ्लुएंसर शव बठिंडा में कार पार्किंग से शव बरामद

नई दिल्ली। पंजाब के बठिंडा से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां आदेश मेडिकल यूनिवर्सिटी की पार्किंग में एक कार से युवती का शव बरामद किया गया है। मृतका लुधियाना की रहने वाली है। वह सोशल मीडिया पर अपने विवादित बयानों और गतिविधियों को लेकर चर्चित रही है। पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है। शव का पोस्टमार्टम आज कराया जाएगा। यह कार यूनिवर्सिटी की पार्किंग में काफी समय से खड़ी थी, जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जब कार का दरवाजा खोला गया, तो भीतर युवती का शव पड़ा मिला। पुलिस का कहना है कि मृतका की पहचान लुधियाना के लक्ष्मण नगर निवासी कंचन उर्फ कमल के रूप में हुई है।

संक्षिप्त समाचार

कटनी में बस की टक्कर से कपड़ा व्यापारी की मौत, ड्राइवर फरार

कटनी। कटनी के कोतवाली थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। बस स्टैंड चौकी के पास सूर्या होटल के सामने एक यात्री बस ने पीछे से बाइक को टक्कर मार दी। बाइक पर सवार 40 वर्षीय कपड़ा व्यवसायी देवेंद्र पटेल बस के पिछले पहिए के नीचे आ गए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना रात करीब 12:25 बजे की है। मृतक देवेंद्र पटेल पन्ना मोड़ के रहने वाले थे और परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। वह किसी काम से निकले थे, तभी यह हादसा हो गया। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी अजय बहादुर सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। वहीं, हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है और चालक की तलाश में जुट गई है।

नाबालिग ने कहा- मेरे साथ चार लोगों ने गैंगरेप किया

रीवा। रीवा के संजय गांधी अस्पताल में अटेंडर के तौर पर आई एक नाबालिग के साथ कथित गैंगरेप के मामले में पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित और उसके परिजन का कहना है कि 8 और 9 मई की दरम्यानी रात अस्पताल के तीन वॉर्ड बॉय और एक अन्य ने मिलकर उसके साथ गैंगरेप किया। लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज करने में टालमटोल की। सिर्फ छेड़छाड़ की धाराओं में एफआईआर की। परिजन का ये भी आरोप है कि हमें दिन में थाने बुलाने की जगह रात में रेस्ट हाउस बुलाया और बार-बार समझौता करने का दबाव बनाते रहे।

कृषि-विवि, निगम के सहयोग से अपशिष्ट इकट्ठा कर खाद बनाएगी

ग्वालियर। यदि आपके घर में फल और सब्जियों के छिलके निकलते हैं तो उन्हें फेंकिए नहीं, बल्कि उन्हें सहेज कर रखिए। इनका इस्तेमाल आप घर में ही ऑर्गेनिक खाद बनाने में कर सकते है। ऑर्गेनिक खाद बनाने की ट्रेनिंग राजमाता विजयाराजे सिंधिया एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स को दी जाएगी। इसके बाद ये स्टूडेंट्स शहरवासियों को ऑर्गेनिक खाद तैयार करने के लिए प्रशिक्षित करेंगे। यही नहीं, विवि कैंपस में इसके लिए ऑर्गेनिक खाद यूनिट भी तैयार की जा रही है। जिसमें फल और सब्जियों के छिलकों से कंपोस्ड खाद एक्सपर्ट तैयार करेंगे। इसके लिए विवि प्रबंधन नगरनिगम के साथ मिलकर टाईअप करेगा। इस खाद का उपयोग विवि कैंपस में लगे 15 हजार से अधिक पेड़-पौधों में किया जाएगा। ऐसे तैयार होगी खाद- विवि के कुलपति डॉ. अरविंद शुक्ला ने बताया कि खाद तैयार करने के लिए वेस्ट यानी सब्जियों और फलों के छिलकों को यूनिट में अलग इकट्ठा किया जाएगा। इसके बाद इन सभी छिलकों को धूप में सुखाया जाएगा। इसके बाद इसमें गोबर मिलाया जाएगा। फिर इस मिश्रण को ठंडी जगह पर रख दिया जाएगा। 4 से 5 दिन में यह घोल खाद के रूप में तैयार हो जाएगा।

पचमढ़ी ट्रेनिंग कैंप में मोबाइल से दूर रहेंगे एमपी एमएलए

माननीयों को केन्द्रीय मंत्री सिखाएंगे स्पीच स्किल, सवाल -जवाब के सत्र भी होंगे

पचमढ़ी ■ निसं

भारतीय जनता पार्टी के 14 से 16 जून के बीच पचमढ़ी में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में विधायकों, सांसदों को मोबाइल फोन इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं होगी। प्रशिक्षण स्थल पर सभी विधायक, सांसद 13 जून की रात तक पहुंच जाएंगे। ट्रेनिंग कैम्प में प्रतिभागियों के मोबाइल उनके नाम के स्टिकर लगाकर साइलेंट मोड पर एक जगह रख दिए जाएंगे। सत्रों के बाद ब्रेक के दौरान प्रशिक्षणार्थी विधायक, सांसद अपने मोबाइल पर बात कर सकेंगे। प्रशिक्षण वर्ग में मंत्रियों, विधायकों और सांसदों को अलग-अलग सत्रों में पब्लिक डीलिंग, मोबाइल मैनेजमेंट, टाइम मैनेजमेंट से लेकर पार्टी की रीति-नीति और सफरनामे की जानकारी दी जाएगी। विधायक-सांसदों को सुबह 6:00 बजे जागना होगा। प्रशिक्षण स्थल पर सुबह 7:00 से 8:00 के बीच योग और प्रार्थना कराई जाएगी।

उद्घाटन सत्र में अमित शाह बताएंगे जनसंघ से बीजेपी तक की विकास यात्रा: 13 जून की रात तक सभी प्रशिक्षणार्थी विधायक, सांसद और मंत्री पचमढ़ी पहुंच जाएंगे। 14 जून को दोपहर

12 बजे से आयोजित उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जनसंघ से लेकर भाजपा की विकास यात्रा के बारे में व्याख्यान देंगे। अमित शाह के साथ मंच पर सीएम डॉ मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा मौजूद रहेंगे।

पहले दिन होंगे चार सत्र: डेढ़ घंटे के लंच ब्रेक के बाद करीब साढ़े तीन बजे से पहला सत्र होगा। इस सत्र में हमारा विचार और पंच निष्ठा विषय पर प्रदेश प्रभारी डॉ महेंद्र सिंह और सबसे वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव संबोधन देंगे। इसके बाद दूसरे सत्र में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और सांसद बंशीलाल गुर्जर भाजपा की कार्यपद्धति पर जानकारी देंगे।

चुनाव क्षेत्र में मैनेजमेंट, इनोवेशन और सदन में भूमिका पर एक ही सत्र में 3 ग्रुप बनेंगे: दूसरे दिन के शुरुआती सत्र में विधायकों-सांसदों को निर्वाचन क्षेत्र में मैनेजमेंट इनोवेशन और चुनौतियों के साथ सदन में भूमिका पर जानकारी दी जाएगी इस सत्र में विधायकों-सांसदों के तीन ग्रुप बनाए जाएंगे। पहले ग्रुप में पहली और दूसरी बार के विधायकों को सांसद सुधीर गुप्ता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीता शरण शर्मा संबोधित करेंगे।

दूसरे समूह में बाकी बचे वरिष्ठ विधायकों को डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला, विधायक प्रदीप लारिया और हरिशंकर खटीक संबोधित करेंगे। तीसरे समूह में

सीएम बताएंगे- उमा भारती से मोहन तक बीजेपी का सफर

लंच ब्रेक के बाद विकसित मप्र 2047-अवसर एवं चुनौती(2003 से 2023) तक की पृष्ठभूमि पर - सीएम डॉ मोहन यादव अपना वक्तव्य देंगे। पूर्व मंत्री और दमोह विधायक जयंत मलैया इस सत्र की अध्यक्षता करेंगे। सोशल मीडिया और मीडिया पर स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय विमर्श बनाने में हमारी भूमिका के विषय पर विनोद तावडे व्याख्यान देंगे। धौंहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम सत्र की अध्यक्षता करेंगे।

राज्यसभा और लोकसभा के सांसदों को केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक और केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास ऊईके संबोधित करेंगे।

शिवप्रकाश समझाएंगे समन्वय और समाधान: बीजेपी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश विधायकों, सांसदों और मंत्रियों को समन्वय, प्रक्रिया, समस्या और समाधान के विषय में समझाएंगे। शिवप्रकाश यह भी बताएंगे कि संगठन, अन्य जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, विचार परिवार और स्वयं के परिवार के लिए समय प्रबंधन करें और पर्सनल, प्रोफेशनल लाइफ में तालमेल बनाएं।

नगर निगम के वाहन प्रभारी की सड़क हादसे में मौत

इंदौर ■ निसं

इंदौर के हीरानगर इलाके में रहने वाले नगर निगम के वाहन प्रभारी की सड़क हादसे में मौत हो गई। वे बुधवार शाम अपनी बाइक से खेत से घर की तरफ जा रहे थे। इस दौरान उन्हें एक आयशर गाड़ी ने टक्कर मार दी। उन्हें उपचार के लिए एमवाय भेजा गया। यहां उनकी मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को टक्कर मारने वाली गाड़ी की जानकारी दी है। इसके आधार पर पुलिस अब मामले में जांच कर रही है। एमवाय चौकी पुलिस के मुताबिक घटना इंदौर हातोद रोड की है। राहुल (35) पुत्र पर्वत सिंह निवासी भानगढ़ अपने पुश्तैनी गांव फुलकरदिया पहुंचे थे। शाम को वह यहां से बाइक से भानगढ़ जाने के लिए निकले थे। रास्ते में उन्हें एक आयशर वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें उनकी मौत हो गई। राहुल नगर निगम के 8 नंबर जोन विजयनगर में वाहन प्रभारी के पद पर काम करते हैं।

खेत से लौटते समय हुआ हादसा

परिवार के लोगों ने बताया कि उनका एक घर हीरानगर में है। जबकि फुलकरदिया में पिता रहते हैं। यहीं पर उनका खेत भी है। ड्यूटी से निकलने के बाद वह यहां पहुंचे थे। शाम को वापस आ रहे थे। राहुल के परिवार में उनका एक बेटा और दो बेटी हैं। वे तीन भाईयो में सबसे बड़े थे।

इंदौर मेट्रो यात्री संख्या में आई गिरावट

पहले रोज 20 हजार से ज्यादा यात्री कर रहे थे सफर, अब 3 हजार से कम

इंदौर ■ निसं

इंदौर में 5.9 किमी के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर चल रही मेट्रो ट्रेन में अब यात्रियों की संख्या कम होने लगी है। पहले 20 से 25 हजार यात्री रोजाना सफर कर रहे थे। इस सोमवार 4 हजार 022 यात्रियों ने सफर किया।मंगलवार को 3 हजार 350 ने यात्रा की, तो बुधवार को यह संख्या 3 हजार ही रह गई। मेट्रो प्रबंधन सूत्रों की मानें तो यात्रियों की संख्या कम होने पर अब प्रबंधन हर आधे घंटे में ट्रेन चलाने पर विचार कर रहा है। अभी हर 15 मिनट में चलाई जा रही है।

इंदौर मेट्रो रेल कार्पोरेशन के अधिकारियों के अनुसार 31 मई को मेट्रो का उद्घाटन हुआ और 8 जून तक यात्रियों को फ्री सफर कराया गया। इस दौरान 1 जून को 26,803 और 8 जून को 18,087 यात्रियों ने ट्रेन का सफर किया।

किराए में छूट के साथ 9 जून से किराया और टिकट अनिवार्य हुआ। इस दिन 4022 यात्रियों ने ही सफर किया। 10 जून का यह संख्या 3350 रह गई और बुधवार को लगभग 3 हजार। कार्पोरेशन के अधिकारियों को वीक एंड पर यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

15 जून तक मिलेगी किराए में छूट

इंदौर मेट्रो में दो स्टेशनों के बीच सफर करने पर 5 रुपए और पांच स्टेशनों तक यात्रा करने पर 8 रुपए का टिकट लग रहा है।8 से 15 जून तक मेट्रो किराए में 75त्न की छूट दी जा रही है। देवी अहिल्याबाई होलकर स्टेशन (गांधी नगर) से मेट्रो में चढ़कर पांचवें स्टेशन वीरांगना झलकारी बाई (टीसीएस) स्टेशन पर उतरने पर यात्री को 8 रुपए किराया देना होगा। यदि यात्री वीरांगना झलकारी बाई स्टेशन से वापस देवी अहिल्याबाई होलकर स्टेशन तक यात्रा करता है, तो उसे फिर से 8 रुपए का टिकट लेना होगा।

प्रॉपर्टी विवाद में भाजपा नेता संतोष पांडेय ने सुसाइड किया

मौत से पहले वीडियो में 3 लोगों के नाम लिए, कहा- न पैसे दे रहे, न जमीन

खंडवा ■ निसं

खंडवा के पूर्व भाजपा जिला महामंत्री संतोष पांडे ने प्रॉपर्टी विवाद से परेशान होकर बुधवार दोपहर जहर खा लिया। वे सिंगाड़ तलाई स्थित अपने निजी कार्यालय में थे, तभी उन्होंने यह कदम उठाया। गंभीर हालत में उन्हें इंदौर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मरने से पहले उन्होंने तीन वीडियो रिकॉर्ड किए और आत्महत्या के पीछे कारण बताए। जानकारी के मुताबिक, बुधवार दोपहर करीब 3 बजे संतोष पांडे ऑफिस में थे। उनकी बेटी उन्हें चाय देने पहुंची, तो देखा कि पिता बेहोशी की हालत में जमीन पर पड़े हैं। उसने तुरंत परिवार को बताया। ऑफिस घर के पास ही था, इसलिए परिजन तुरंत पहुंचे और उन्हें निजी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताई और इंदौर रेफर किया।

डॉक्टर से मांगी वीडियो बनाने की अनुमति: परिजन संतोष पांडे को इंदौर के वेदांता हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि हालत बहुत नाजुक है। इस पर भाई प्रवीण पांडे ने डॉक्टर से पूछा कि क्या वे वीडियो बना सकते हैं। डॉक्टरों की अनुमति मिलने के बाद संतोष पांडे ने मरने से पहले तीन वीडियो रिकॉर्ड करवाए।

वीडियो में बोले- उपेंद्र, राजू और उमंग मंडलोई ने पैसे नहीं दिए: संतोष पांडे ने वीडियो में साफ कहा कि उन्होंने उपेंद्र मंडलोई से 3 करोड़ 30 लाख में जमीन खरीदी थी, लेकिन न तो उन्हें पैसे वापस किए जा रहे हैं

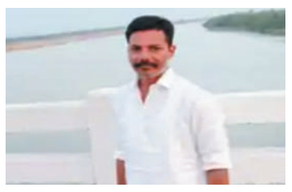

लेन-देन और धोखाधड़ी के तीन वीडियो सामने आए

वीडियो में संतोष पांडे ने जमीन सौदे का पूरा ब्योरा बताया। उन्होंने कहा कि लगातार टालमटोल, धमकियां और झूठे वादों से वे टूट गए। वीडियो में उन्होंने उन लोगों को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया, जिन्होंने जमीन बेचने के बाद धोखा दिया।

और न ही जमीन दी जा रही। उन्होंने आरोप लगाया कि राजू मंडलोई, उमंग मंडलोई और विजय बिरला समेत अन्य लोग लगातार जमीन में नए पार्टनर जोड़ते गए। यह विवाद उन्हें मानसिक रूप से परेशान कर रहा था। भाई प्रवीण पांडे के मुताबिक, संतोष ने सुसाइड नोट अपने ऑफिस में छोड़ा था। यह बात उन्होंने इंदौर में होश में आने पर बताई थी। हालांकि, सुसाइड नोट अब तक परिजन या पुलिस को नहीं मिला है।

नर्मदापुरम में प्राइवेट स्कूल की टीचर के घर जाकर छेड़छाड़

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम में एक निजी स्कूल में पढ़ाने वाली महिला टीचर ने छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी मुकेश दुबे के खिलाफ देहात थाने में केस दर्ज हुआ है। आरोपी ब्राह्मण समाज का पदाधिकारी है। पीड़िता ने बताया कि वह उसे मामा कहती थी। पुलिस के अनुसार घटना 6 जून की रात की है। महिला अपने दोनों बच्चों के साथ घर में थी। रात करीब 10 बजे मुकेश दुबे ने दरवाजा खटखटाया। महिला बाहर निकली तो उसने उसका हाथ पकड़ लिया और छेड़छाड़ की। महिला के चिल्लाने पर उसके बच्चे बाहर आए, जिन्हें देख मुकेश दुबे वहां से भाग गया। जाते समय उसने महिला को जान से मारने की धमकी भी दी। महिला ने घटना के बाद बुधवार शाम देहात थाने में शिकायत दी। पुलिस ने मुकेश दुबे के खिलाफ छेड़छाड़ और धमकी की धाराओं में केस दर्ज किया है।

15 जून से किसान अधिकार यात्रा शुरू करेगी किसान कांग्रेस

मूंग खरीदी पर MSP की मांग, पूर्व जिलाध्यक्ष ने पीएम पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप

हरदा ■ निसं

हरदा में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर किसान कांग्रेस 15 जून से किसान अधिकार यात्रा शुरू करेगी। यात्रा का मुख्य उद्देश्य ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदी की मांग है। किसान कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष मोहन बिश्नोई ने बताया कि वे गांव-गांव जाकर किसानों से चौपाल लगाकर चर्चा करेंगे। इसके बाद कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा। यात्रा के दौरान भाजपा सरकार के पिछले 11 वर्षों के किसान नीतियों पर चर्चा की जाएगी।

अब तक पूरे नहीं हुए 2014 वादे: बिश्नोई ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में जो वादे किए

थे, वो अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। इनमें किसानों का कर्ज माफ करना, हर साल 2 करोड़ युवाओं को नौकरी देना और किसानों की आय 2022 तक दोगुनी करना शामिल था। साथ ही डीजल-पेट्रोल के दाम आधे करने, गैस सिलेंडर 500 रुपए में देने और गरीबों का मुफ्त इलाज का वादा भी था।

2014 के बाद से कई किसानों ने आत्महत्या की है

उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की आय नहीं बढ़ी, बल्कि खेती की लागत चार गुना बढ़ गई है। 2014 के बाद से कई किसानों ने आत्महत्या की है। किसान संस्थाओं के चुनाव बंद कर दिए गए हैं। कोरोना काल में लाए गए तीन कृषि कानून किसानों के विरोध के बाद वापस लेने पड़े। व्यापारियों पर स्टॉक लिमिट लगाकर किसानों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। मंडियों में व्यापारियों को खरीदी से रोका जा रहा है।

उज्जैन में एक कार्यक्रम के बीच युवक पर फायरिंग

घायल बोला- पत्नी ने करवाया हमला, वो संपत्ति हड़पना चाहती, 2 लोग पुलिस की हिरासत में

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन में बुधवार देर रात एक मान के कार्यक्रम में फायरिंग हो गई, जिसमें एक युवक और एक महिला घायल हो गए। बताया गया कि आधा दर्जन से ज्यादा लोगों ने पहले एक युवक पर कार चढ़ाने की कोशिश की। जब युवक ने दौड़कर जान बचाने की कोशिश की, तो आरोपियों ने कार्यक्रम के दौरान गोली चला दी। घटना के बाद घायल युवक और महिला को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें आरोपी कार्यक्रम स्थल के अंदर भागते हुए और फायरिंग की आवाजें सुनाई देती हैं। फायरिंग के कुछ देर बाद आरोपी

वहां से भाग निकले।

विवाद के बीच एक महिला भी घायल: पटेल नगर निवासी जयराज सिंह बुधवार रात अपने मित्र के यहां शुभ लाभ गार्डन में आयोजित मान के कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। रात करीब 11:30 बजे जब वे कार्यक्रम से बाहर निकलकर अपनी कार की ओर जा रहे थे, तभी वहां खड़ी एक स्विफ्ट कार ने उन्हें टक्कर मारने की कोशिश की। लेकिन जयराज किसी तरह बचकर गार्डन की ओर भागे।

उन्हें भागता देख कार में सवार बदमाश भी गार्डन में घुस आए और जयराज पर हमला कर दिया। इस दौरान उन्होंने फायरिंग की। गनीमत रही कि गोली सीधे जयराज को नहीं लगी, लेकिन बंदूक से निकले छर्रे उनके पेट में लग गए, जिससे वह घायल हो गए। विवाद के दौरान वहां मौजूद एक महिला को भी छर्रे लगे, जिससे वह भी घायल हुई और उन्हें भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल बोला- पत्नी संपत्ति के लिए मरवाना चाहती है: घायल जयराज सिंह ने आरोप लगाया कि उन पर यह जानलेवा हमला उनकी पत्नी के कहने पर किया गया है।

खंडवा में शक्कर तालाब किनारे 137 मकानों पर चला बुलडोजर

खंडवा ■ निसं

खंडवा शहर के बीचोंबीच स्थित शक्कर तालाब के किनारे गुरुवार तड़के 4 बजे नगर निगम और राजस्व विभाग की टीम भारी पुलिस फोर्स के साथ पहुंची। यहां अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के तहत 137 मुस्लिम परिवारों के मकानों को तोड़ दिया गया। इस कार्रवाई में 13 जेसीबी और 2 पोकलेन मशीनें लगाई गईं। प्रशासन के मुताबिक यह सभी मकान अतिक्रमण की श्रेणी में चिन्हित किए गए थे।

महिलाएं-बच्चे नींद में थे, अमला अचानक पहुंचा: शक्कर तालाब के पास बनी यह बस्ती कई सालों से आबाद थी। कार्रवाई के दौरान जब लोग गहरी नींद में थे, तब अमला वहां पहुंचा। मशीनों के साथ पहुंचे दस्तों ने लोगों को घर खाली करने का कहा। घबराए लोग अपना सामान समेटने लगे, लेकिन कुछ ही देर में मकान मलबे में तब्दील हो गए।

22 मकानों पर कोर्ट का स्टे

अपर कलेक्टर काशीराम बड़ौले ने बताया कि कुल 137 मकानों पर कार्रवाई की गई है। इनमें से 22 मकानों को फिलहाल छोड़ा गया है क्योंकि कोर्ट से उन पर स्टे आदेश प्राप्त है। इन मकानों को चिन्हित कर निशान लगाए गए हैं।

400 जवानों की तैनाती, स्वास्थ्य भी बुलाई गई

एडिशनल एसपी महेंद्र तारणेकर ने बताया कि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए 400 पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। साथ ही एक अतिरिक्त एसएफआई कंपनी भी बुलाई गई थी। पूरे क्षेत्र में भारी पुलिस बंदोबस्त के बीच कार्रवाई हुई।

फ्लाईओवर के पोस्टर वार पर बोले मंत्री राकेश सिंह

इनकी हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं, सांसद के साथ कोई खींचतान नहीं

जबलपुर ■ निसं

मध्य प्रदेश के सबसे बड़े फ्लाईओवर के उद्घाटन में लेटलतीफी के लिए कांग्रेस ने लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और जबलपुर सांसद आशीष दुबे को जिम्मेदार ठहराया है। कांग्रेस का कहना है कि दोनों के आपसी मतभेद के कारण ब्रिज का उद्घाटन नहीं हो रहा है। इसलिए 14 जून को जनता का ब्रिज जनता को समर्पित किया जाएगा। मंत्री सिंह ने फ्लाईओवर का जनता के हाथों उद्घाटन कराने की चुनौती देने वाले नेताओं को छुटभैया बताया है। यह ब्रिज 1100 करोड़ रुपए से तैयार हुआ है।

बुधवार को एक कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि मैं

हमेशा भाषा का संयम और मर्यादा का पालन करता हूं, पर मैं कहता हूं कि छुटभैया की हर बात का जवाब देना आवश्यक नहीं है। उन्होंने कहा कि ओछी राजनीति किसी को शोभा नहीं देती है। जो लोग घर के सामने की नाली नहीं बनवा सकते, वो लोग 1100 करोड़ रुपए से बने फ्लाईओवर के लोकार्पण की बात करते हैं। मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि ये वही कांग्रेस है, जिसने इस फ्लाईओवर को रिजेक्ट कर दिया था, जिसकी जानकारी नगर निगम में महापौर जगत बहादुर अन्नू ने दी है और ये जबलपुर की जनता भी अच्छे से जानती है।

मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि किसी भी कार्य के लोकार्पण की एक प्रक्रिया होती है। कांग्रेस जिस फ्लाईओवर को पूर्ण बता रही है, उसका कार्य बाकी है। राकेश सिंह ने कांग्रेस के नेताओं से कहा कि अगर लोकार्पण का शौक है, तो पहले जनता के बीच में जाओ, उनका आशीर्वाद लो, जनता के बीच से चुनकर आओ, सरकार बनाओ और फिर लोकार्पण प्रक्रिया का हिस्सा बनो। मंत्री ने कहा कि जबलपुर के फ्लाईओवर का उद्घाटन पूरी भव्यता के साथ होगा, जिसमें केंद्रीय और प्रदेश का नेतृत्व मौजूद रहेगा।

कांग्रेस ने मंत्री राकेश सिंह और जबलपुर सांसद आशीष दुबे के पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल किए हैं, जिसमें दोनों के बीच खींचतान बताई जा रही है, उस आरोप को भी राकेश सिंह ने विराम देते हुए कहा कि कोई खींचतान नहीं है। हमारे बीच में कोई गुट नहीं है। ये कांग्रेस को भाजपा से सीखने की जरूरत है कि एकजुटता के साथ कैसे विकास किया जाता है। मुद्दाविहीन राजनीति ही कांग्रेस के लिए घातक साबित हुई है। राकेश सिंह ने कहा कि कांग्रेस का अल्टी और ना ही मेटम, दोनों में ही कोई दम नहीं है।

कहां-कहां लोकार्पण करेगी कांग्रेस

राकेश सिंह ने कहा कि कांग्रेस कहां-कहां लोकार्पण करेगी, कहां-कहां से राकेश को हटाएंगे। जिले के एक से दूसरे छोर चले जाएं, सारे बड़े काम भारतीय जनता पार्टी के समय में हुए हैं और जबलपुर में राकेश सिंह द्वारा शुरू और समाप्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मैं श्रेय की राजनीति में कभी नहीं पड़ता हूं।

ग्वालियर में अवैध हथियार तस्कर गिरफ्तार

ग्वालियर। ग्वालियर में मुखबिर की सूचना पर थाटीपुर थाना पुलिस ने दशहरा मैदान से हथियारों को बेचने के लिए आए एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। तलाशी में आरोपी के पास से दो देसी पिस्टल मय मैगजीन बरामद की गई है। फिलहाल पुलिस ने पकड़े गए बदमाश के खिलाफ आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस पकड़े गए बदमाश से पूछताछ कर रही है। थाटीपुर थाना प्रभारी विपेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि मुखबिर द्वारा सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति दशहरा मैदान थाटीपुर में खड़ा हुआ है। उसके पास हथियार है और वह किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है, या हथियार बेचने के लिए आया हुआ है। सूचना पर पुलिस फोर्स को मौके पर भेजा गया था।

निगम अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से हटाए अतिक्रमण

अवैध रूप से बने टपरे, छप्पर, शेड, चबूतरे व अन्य प्रकार के अतिक्रमण हटाए और ठेले तराजू आदि किए जप्त

भोपाल ■ अमृत दर्शन

नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तोड़ने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्पलाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध रूप से बांस-बल्ली लगाकर बनाए गए छप्पर, शेड के अलावा पक्के चबूतरे तोड़े तथा दुकानों के बाहर रखा सामान, ठेले, गुमठी, भवन निर्माण सामग्री, पुराने कंडम वाहन, खाली प्लाट पर रखी लकड़ी आदि हटाने की कार्यवाही की और ठेले, तराजू आदि जप्त किए।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने बुधवार को अब्बास नगर, हमीदिया रोड, रेलवे स्टेशन प्लेट फार्म क्र. 06, आरिफ नगर, जहांगीराबाद, मुर्गी बाजार, अशोका गार्डन, सूरज नगर, भदभदा, भारत माता चैराहा, कोलार रोड, सुमित्रा परिसर फेस-2, जानकी हाउस, विजय विलास काम्प्लेक्स, ललिता नगर, बाग मुगालिया, राजा भोज आर्केड, सब्जी मण्डी, रानी कमलापति स्टेशन, न्यू मार्केट, एम.पी. नगर जोन-1, लिंक रोड नंबर 01, 02 तथा 03 आदि क्षेत्रों में सड़कों, फुटपाथों व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अवैध रूप से किए गए अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही की।

एम्स भोपाल के डेंटल विभाग के डॉ. अंशुल राय ने सिंगापुर में तंबाकू सुपारी खाने के दुष्प्रभाव पर अपनी रिसर्च प्रेजेंट की

भोपाल ■ अमृत दर्शन

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। प्रो. सिंह से प्रेरित होकर संकाय सदस्य विभिन्न शोध कार्यों में असाधारण प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल ही में, डॉ. अंशुल राय और उनकी टीम द्वारा की गई शोध को 80 देशों के 2000 से अधिक विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। यह शोध ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस (ह्रस्म)-जिसमें मुँह खुलने में कठिनाई होती है-के उपचार पर केंद्रित है। यह अध्ययन 105 रोगियों पर किया गया, जिनमें से कई 10 वर्षों से अधिक समय से तंबाकू व सुपारी का सेवन कर रहे थे। शोध में यह चिंताजनक तथ्य सामने आया कि लंबे समय तक सेवन करने वाले लोगों में ओएसएफ होने की संभावना अधिक होती है। इन रोगियों में से 8 को आगे चलकर मुँह का कैंसर भी हो गया। यह अध्ययन 9 वर्ष की उम्र से लेकर 70 वर्ष तक के ओएसएफ से पीड़ित मरीजों पर किया गया।

विशेष रूप से यह पाया गया कि पाउच (गुटखा/तंबाकू मिश्रित पदार्थ) का सेवन करने वालों में यह बीमारी अधिक पाई गई। 30 प्रतिशत महिलाएं भी इससे प्रभावित थीं। यहाँ तक कि 10 वर्ष से कम उम्र के 3 बच्चे भी इस बीमारी की चपेट में पाए गए। डॉ. अंशुल राय और उनकी टीम ने पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए अलग-अलग सर्जिकल प्रोटोकॉल विकसित किए, जिससे सटीक और प्रभावी इलाज संभव हो सका। ओएसएफ को एक प्री-मैलिग्नेंट कंडीशन माना जाता है, अतः सभी मरीजों का लंबे समय तक फॉलो-अप किया जाना जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

अमृत हरित कार्यशाला क़ल रवीन्द्र भवन में

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा शुक्रवार 13 जून को प्रात: 8:30 बजे राजधानी भोपाल के रवीन्द्र भवन में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला अमृत हरित अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में हरित क्षेत्र के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों और पहलों का प्रसार करना है। कार्यशाला में मंत्रीगण, सांसद, विधायक, महापौर, निकायों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यशाला में प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रत्येक नगर निगम से 6, नगरपालिका परिषद से 4 और नगर परिषद से 2 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गयी है। कार्यशाला के दौरान कृषि और उद्यानिकी से संबंधित उत्पादों एवं यंत्रों की प्रदर्शनी के साथ ही नर्सरी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जायेगा। कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों जैसे इफ्को एवं भारतीय प्रबंध संस्थान के विषय-विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जायेगी। कार्यशाला में स्थानीय वृक्ष प्रजातियों की विशेषताएँ एवं संरक्षण, जैव-विविधता एवं जलवायु परिवर्तन, बगीचों के लिये तकनीक एवं उपकरण की आवश्यकताएँ, वृक्षारोपण और पौध-रोपण से संबंधित अधिनियमों का विश्लेषण तथा वृक्षारोपण उपरांत समुचित प्रबंधन विषय पर चर्चा की जायेगी।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार किसान की मौत

भोपाल। शहर के देहात थाना इलाके के सूखी सेवनिया इलाके में बीती देर रात एक सड़क हादसे में रायसेन जिले के रहने वाले एक वृद्ध की जान चली गई। बताया गया है, कि मृतक अपने रिश्तेदार के यहाँ आयोजित पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने आये थे। देर रात बाइक से वापस लौटते समय डंपर की चपेट में आ गए। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान मिट्ठूलाल जाटव (64) निवासी पिपलाई गांव, कालीटोल (जिला रायसेन) के रूप में हुई है। वे भोपाल के आनंद नगर में रहने वाले एक रिश्तेदार के यहाँ आयोजित पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। मंगलवार रात कार्यक्रम से लौटते वक्त भदभदा घाट के पास एक डंपर ने ओवरटेक करते हुए उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल मिट्ठूलाल को मौके पर मौजूद लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान बुधवार सुबह उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

खुद को आग लगाने वाले युवक के बाद उसकी मासूम बच्ची की भी मौत

भोपाल। शहर के अरेरा हिल्स थाना इलाके में पारिवारिक विवाद में एक युवक के खुद को आग लगाकर जान देने के बाद अब उसकी ढाई साल की मासूम बच्ची की भी मौत हो गई है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस के मुताबिक मजदूरी करने वाले शिशुपाल यादव ने करीब तीन दिन पहले खुद को आग लगा ली थी। इस दिल दहला देने वाली घटना में शिशुपाल सहित उसकी पत्नी और उसकी ढाई साल की मासूम बेटी वेदांशी भी बुरी तरह से आग में झुलस गई थी।

राजभवन में सिकल सेल समीक्षा बैठक हुई

लक्ष्य को समय सीमा से पहले पूरा करने का भाव जरूरी : राज्यपाल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि वर्ष 2047 तक सिकल सेल उन्मूलन के लिए संवेदनशीलता, सहानुभूति के साथ रोग उन्मूलन की प्रतिबद्धता जरूरी है। कार्य का भाव लक्ष्य को समय सीमा से पूर्व पूरा करने का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिकल सेल मिशन के कार्य मानवता की सेवा के माध्यम है। ईश्वरीय कृपा के भागी होने का यह बड़ा अवसर है। राज्यपाल पटेल राजभवन में सिकल सेल मिशन के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उप मुख्यमंत्री लोक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा राजेन्द्र शुक्ल, आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार भी उपस्थित थे।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग के द्वारा सिकल सेल उपचार, प्रबंधन और नियंत्रण प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। उनको बताया गया कि मिशन के अंतर्गत 19 जून से 3 जुलाई तक समस्त ग्राम पंचायतों, एकलव्य आवासीय स्कूलों एवं छात्रावासों में मेगा शिविर आयोजित होंगे। अधिक से अधिक स्क्रीनिंग जांच की जाएगी। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से लेकर जिला चिकित्सालयों में पीओसी किट के द्वारा स्क्रीनिंग की जाएगी। प्रतिदिन स्क्रीनिंग जांच का डेटा पोर्टल में दर्ज होगा। जेनेटिक काउंसलिंग की जाएगी। जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड प्रदान किए जाएंगे। ब्लॉक स्तर एवं जिला स्तर पर चिह्नित सिकल सेल रोगियों के लिए शिविर लगेंगे। उन्हें विशेषज्ञों की परामर्श सेवायें उपलब्ध कराई जाएगी। सिकल सेल रोगियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यू.डी.आई.डी. कार्ड प्रदान कर पेंशन की सुविधा प्रदान की जाएगी।

आयुष विभाग द्वारा बताया गया कि विश्व सिकल सेल दिवस के तारतम्य में जनजातीय बहुल 20 जिलों में संचालित 78 आयुष औषधालयों में शिविर का आयोजन किया जाएगा। सिकल सेल उपचार में सहायक आयुर्वेद दवाओं की किट का वितरण होगा। रोग उपचार में सहायक स्थानीय वनस्पति के संरक्षण, संवर्धन के प्रति जन जागरूकता के कार्य होंगे। सिकल सेल एनीमिया प्रभावित प्रत्येक ग्राम में जनजागृति के लिए प्रभात फेरी, योगाभ्यास, ग्राम-सभा आदि के आयोजन किए जाएंगे।

बैठक में जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपक खांडेकर, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव, सचिव जनजातीय प्रकोष्ठ श्रीमती जमुना भिड़े, संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सुश्री सलोनी सिडाना, आयुक्त आयुष संजय मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मेधावी छात्र हमारे समाज का भविष्य हैं-श्रीमती राधा सिंह

रबींद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी में मेधावी छात्र सम्मान का भव्य आयोजन संपन्न

भोपाल ■ अमृत दर्शन

रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में भोपाल, रायसेन और नर्मदापुरम के 34 प्रतिष्ठित विद्यालयों के 300 से अधिक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह रहीं। विशिष्ट अतिथियों में विश्वविद्यालय की प्रो. चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रतिकुलपति डॉ. संजीव गुप्ता, कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी, तथा आयोजन समन्वयक एवं डीन एडमिशन डॉ.अनिल तिवारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि श्रीमती राधा सिंह ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा, मेधावी छात्र हमारे समाज का भविष्य हैं। उनकी मेहनत, लगन और प्रतिबद्धता से राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान संभव है। यह समारोह उन सभी छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत है, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से समाज को गौरवांवित किया है। मेधावी छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने अपने स्वागत भाषण में शिक्षा के माध्यम से समाज के उत्थान पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के उत्थान का सशक्त उपकरण है।

तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली में बड़ा बदलाव, आम यात्रियों को मिलेगा प्राथमिकता का लाभ

भोपाल ■ अमृत दर्शन

आम यात्रियों को तत्काल टिकट बुकिंग में प्राथमिकता देने हेतु भारतीय रेलवे द्वारा तत्काल योजना में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इन बदलावों का उद्देश्य बॉट सॉफ्टवेयर के दुरुपयोग को रोकना, ट्रैवल एजेंट्स द्वारा किए जा रहे अनावश्यक दबाव को कम करना तथा पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ वास्तविक यात्रियों को सुविधा प्रदान करना है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि बीते छह महीनों में तत्काल टिकटों की बुकिंग में गड़बड़ी के लिए ज़िम्मेदार पाए गए 2.5 करोड़ संदिग्ध आईआरसीटीसी आईडी को ब्लॉक किया गया है। अब केवल आधार सत्यापित उपयोगकर्ताओं को ही आईआरसीटीसी पोर्टल और ऐप के माध्यम से तत्काल ई-टिकट बुक करने की अनुमति होगी। यह व्यवस्था 01 जुलाई 2025 से प्रभावी होगी, वहीं आधार आधारित ओटीपी सत्यापन की प्रक्रिया 15 जुलाई 2025 से शुरू की जाएगी।

उन्होंने आगे बताया कि तत्काल टिकट बुकिंग के पहले 30 मिनट केवल व्यक्तिगत ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं एवं स्टेशन पर मौजूद पीआरएस काउंटर के यात्री ही कर सकेंगे। ट्रैवल एजेंट्स और अधिकृत एजेंसियों को एसी श्रेणी के लिए 10:30 बजे और नॉन-एसी के लिए 11:30 बजे के बाद ही बुकिंग की अनुमति होगी। इस प्रकार, व्यक्तिगत यात्रियों को बॉट सॉफ्टवेयर या एजेंट्स से पहले टिकट बुक करने का उचित अवसर मिलेगा।

इसके अलावा, पीआरएस काउंटर से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए यात्री को अपना मोबाइल नंबर देना अनिवार्य होगा, जिस पर एक ओटीपी (एक बार पासवर्ड) भेजा जाएगा। ओटीपी सत्यापन के बाद ही टिकट जारी किया जाएगा। यह व्यवस्था भी 15 जुलाई 2025 से प्रभाव में लाई जाएगी।

यह भी उल्लेखनीय है कि यदि कोई यात्री आधार नहीं रखता, तो वह पीआरएस काउंटर अथवा अधिकृत ट्रैवल एजेंट्स के माध्यम से तत्काल टिकट बुक कर सकता है। रेलवे प्रशासन का यह कदम डिजिटल प्रणाली को और अधिक पारदर्शी व प्रभावशाली बनाएगा तथा आम यात्रियों को सुविधा दिलाने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास साबित होगा।

नगरीय आपदाओं की रोकथाम के लिये नियंत्रण कक्ष

भोपाल। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास संकेत भोंडवे के निर्देश पर वर्षा ऋतु में प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में जल-भराव, बाढ़, जर्जर भवनों के गिरने जैसी संभावित आपदाओं से निपटने के लिये भोपाल में राज्य स्तर पर आपदा नियंत्रण कक्ष की स्थापना की है। नियंत्रण कक्ष के संचालन एवं समन्वय के लिये एक विशेष दल का गठन किया गया है, जिसमें कार्यपालन यंत्री उपदेश शर्मा, सहायक यंत्री सुनील श्रीवास्तव सहित कुल 8 अधिकारी-कर्मचारी पदस्थ किये गये हैं। यह दल प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों को चिन्हित करने और संबंधित नगरीय निकायों के बीच कार्यवाही सुनिश्चित करेगा। राज्य स्तरीय आपदा नियंत्रण कक्ष बाढ़ अथवा जल-भराव की स्थिति में प्रभावित व्यक्तियों के विस्थापन, मूलभूत सुविधाओं जैसी उपलब्धता के लिए समन्वय भी सुनिश्चित करेगा।

घटिया चावल को मानक दर्शाकर जमा करवाया

ईओडब्ल्यू द्वारा राईस मिलर्स के विरूद्ध गुणवत्ता विहीन चावल देने के आरोप में एफ.आई.आर. दर्ज

भोपाल ■ अमृत दर्शन

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ भोपाल में इस आशय कि शिकायत प्राप्त हुई कि जिला सिवनी में मिलर्स एवं स्टेट सिविल सप्लाई कार्पोरेशन के अधिकारियों द्वारा घटिया चावल को मानक दर्शाकर जमा करवाया जा रहा हैं। जिसकी जांच आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इकाई जबलपुर द्वारा की गई। वर्ष 2018 जिला सिवनी में मिलर्स के द्वारा आपराधिक षड्यंत्र कर गुणवत्ता निरीक्षक जगदीश गिरी गोस्वामी एवं विनय पाण्डेय द्वारा घटिया चावल को अपनी रिपोर्ट में मानक चावल दर्शाकर शासन के गोदामो में जमा करवाया गया। यही जमा घटिया/अमानक चावल बाद में पीडीएस की दुकानों के माध्यम से लोगों को वितरण किया जाना था। जिसका खुलासा क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर के गुणवत्ता निरीक्षक दल की जांच रिपोर्ट में हुआ।

शिकायत जांच में प्राप्त साक्ष्य एवं दस्तावेजों से यह आरोप प्रमाणित पाया गया कि मिलर्स द्वारा गुणवत्ता निरीक्षक जगदीश गिरी गोस्वामी एवं विनय पाण्डे के साथ आपराधिक षड्यंत्र रचकर शासन को हानि कारित करते हुये, अवैध लाभ प्राप्त करने की नियत से धोखाधड़ी कर घटिया चावल जमा करवाया गया। जिस पर से अपराध धारा 420, 272, 120बी, भा.द.वि. एवं धारा-3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस

रेलवे सुरक्षा बल, भारतीय रेलवे - 'जहाँ हर बचाव एक नई शुरुआत है'

भोपाल ■ अमृत दर्शन

आज 12 जून को 'विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो एक वैश्विक अनुपालन है, जो बाल श्रम को समाप्त करने और सभी बच्चों के लिए अनिवार्य शिक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने बाल श्रम की वैश्विक सीमा और इसे समाप्त करने के लिए आवश्यक कार्रवाई और विशेष प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वर्ष 2002 में 'विश्व बाल श्रम निषेध दिवस की शुरुआत की। तब से प्रत्येक वर्ष 12 जून को बाल श्रमिकों के विश्व दिवस पर सरकारें, नियोक्ता, श्रमिक संगठन और सिविल सोसाइटी के साथ-साथ दुनिया भर के लाखों लोग बाल श्रमिकों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए एक जुट होते हैं।

भारत के संविधान में बाल श्रम से निपटने के लिए बनाए गए कानून के सराहनीयप्रावधानों के बावजूद आज देशभर में बाल श्रमव्याप्त है।

इस तथ्य के बावजूद कि देश में बाल श्रम व्याप्त होने के लिए कई सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक कारक जिम्मेदार हैं। जिनमें गरीबी, अशिक्षा, ऋणग्रस्तता, बेरोजगारी, भूमिहीनतातथा सस्ते एवं सीधे-साधे मजदूर जैसे पारंपरिक और रूढ़िवादी मांग और उपलब्धता के कारक, बाल श्रम कोबढ़ावा देते हैं। भारतीय रेल में बाल श्रम एक गंभीर मामला है, जहाँ अक्सर रेलवे प्लेटफार्म और चलती यात्री गाडियों में ऐसे बचे पाए जाते हैं जिन्हें देखभाल और संरक्षण की जरूरत हैं। इनमें रेलवे सिस्टम के भीतर काम करने वाले, रेलवे प्लेटफार्म पररहने वाले और यहाँ तक की कानून के साथ संघर्षरतबचे भी शामिल हैं।

रेल मंत्रालय के अधीन कार्यरत रेल सुरक्षा बल ने बच्चों को बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसमें रेलवे के संपर्क में आने वाला 18 वर्ष से कम उम्र का कोई भी बचा शामिल है, जो यात्रा कर रहा है, रेलवे प्लेटफार्म पर रह रहा है, रेलवे में काम कर रहा है या रेलवे प्रणाली से किसी भी तरह से जुड़ा हुआ हैऔर जिनको देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता है, वे बचे भी शामिल हैं। इनमें अकेले रहने वाले बचे, गुमशुदा या तस्करी किए गए बचे, अपने परिवारों से अलग/बिछड़े हुए बचे, रेलवे स्टेशन पर रहने वाले बचे आदि शामिल हैं इसके अलावा बचे भीख मांगने, कूड़ा बीनने और रेलवे प्लेटफॉर्म तथा रेलगाड़ियों में बाल श्रम करने के लिए भी मजबूर किये जाते हैं। रेल सुरक्षा बल यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय प्रयास कर रही है कि मानव तस्कर रेलगाड़ियों और रेलवे प्लेटफार्मों का उपयोग बचों को देश के विभिन्न भागों में, विभिन्न कारणों से बंधुआ मजदूर के रूप में ले जाने के लिए न कर सके।

रेल गाडियों और रेलवे प्लेटफार्मों पर रेल सुरक्षा बल की सशक्त उपस्थिति से पिछले 5 वर्षों (2021 से अप्रैल 2025) में नन्हें फरिश्ते (देखभाल और संरक्षण की जरूरत वाले बचों को बचाना) अभियान के तहत 61,345 बचों को बचाया गया, जिनमें 19,412 लड़कियां और 41933 लड़के थे।

जिनेवा में गूंजा भारत का नाम!

डॉ. अनुपम चौकसे ने ILO के वैश्विक मंच पर बढ़ाया देश का मान

भोपाल/जिनेवा ■ अमृत दर्शन

दुनिया देख रही थी और भारत बोल रहा था! जिनेवा में चल रहे 113वें अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में डॉ. अनुपम चौकसे ने भारत की ओर से आवाज बुलंद की। यह सिर्फ मध्यप्रदेश ही नहीं, पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि LNCT समूह के सचिव और JNCT प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भोपाल के चांसलर डॉ. चौकसे ने ILO के इस वैश्विक मंच पर भारतीय उद्योग और शिक्षा जगत का प्रतिनिधित्व किया।

त्रिपक्षीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बने डॉ. अनुपम चौकसे: डॉ. अनुपम चौकसे भारत सरकार के त्रिपक्षीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं, जिसमें सरकार, नियोक्ता और श्रमिक संगठनों के प्रमुख लोग भाग ले रहे हैं। वे Indian Council of Small Industries का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं-एक ऐसी संस्था जो देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (MSMEs) की रीढ़ है।

अनमोल वचन

विश्व के सभी धर्म, भले ही और चीजो में अंतर रखते हो, लेकिन सभी इस बात पर एकमत है कि दुनिया में कुछ नही बस सत्य जीवित रहता है।

महात्मा गांधी

उन लोगो के अटल साहस से ज्यादा प्रभावशाली कुछ भी नहीं है, जो अपनी आजादी और सम्मान के लिए दु:ख सहने और त्याग करने के लिए तैयार है।

मार्टिन लूथर किंग जेआर

सम्पादकीय

हमास को बागी योद्धाओं से नष्ट कराने की तैयारी में इजराइल

इजराइल सर्वशक्ति संपन्न होते हुए भी हमास का खत्मा नहीं कर पाया। पिछले कई महीनो से इजराइल और गाजा के बीच में युद्ध चल रहा है। इजराइल ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। हजारों लोग मारे जा चुके हैं। महिलाएं और बच्चे भी इस युद्ध में बड़ी संख्या में मारे गए हैं। गाजा में भुखमरी फैली हुई है। घायलों को अस्पताल में इलाज नहीं मिल रहा है। डॉक्टर नहीं हैं, दवाइयां नहीं है। छोटे-छोटे बच्चे आहार नहीं मिलने के कारण हजारों की संख्या में मारे गए हैं। इसके बाद भी इजराइल, हमास के योद्धाओं को खत्म नहीं कर पाया। पिछले 20 वर्षों से हमास का कब्जा गाजा पर है। इजराइल ने साम दाम दंड-भेद हर तरह के प्रयास कर लिए हैं। इसके बाद भी हमास का खत्मा नहीं हो पाया। इजराइल ने अब एक नई रणनीति तैयार की है। जिसके अनुसार हमास के बागियों को ही हमास को नष्ट करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पॉपुलर फोर्सेज के लीडर यासर अबू शवाब हैं। यह संगठन खुद को आतंकवाद मिटाने वाला संगठन बताता है। कई मानवाधिकार संगठन इसे लुटेरे और अपराधियों का संगठन मानते हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने गाजा में हमास को जड़-मूल से समाप्त करने की जिम्मेदारी अब पॉपुलर फोर्स को दे दी है। इसे हमास संगठन के बारे में सभी जानकारी है। सभी ठिकाने और उनकी ताकत के बारे में जानकारी होने के कारण इजराइल की सरकार ने अब कांटा से कांटा निकालने की रणनीति अपनाई है। अबू शबाब का संगठन अभी छोटे-छोटे अपराधों में लिप्त था। इजराइल सरकार का समर्थन मिलने के बाद एकाएक इसकी ताकत बहुत बढ़ गई है। यह संगठन अभी दक्षिणी गाजा में सक्रिय है। इस संगठन के लोग फिलीस्तीनी झंडे और काउंटर टेररिज्म यूनिट की वर्दी पहनकर अपने आप को आतंकवाद को खत्म करने वाला संगठन बताते हैं। अनादि काल से फूट डालो और राज करो की नीति चली आ रही है। इस नीति के माध्यम से सत्ता पर कब्जा तो कर लिया जाता है, लेकिन सत्ता ज्यादा दिनों तक चलती नहीं है। इजराइल इतने लंबे समय के बाद भी जब हमास को नियंत्रित नहीं कर पाया। ऐसी स्थिति में अब उसने हमास के बागियों को हमास के खिलाफ उतार दिया है। इन्हें इजरायल की सेना द्वारा भारी मात्रा में हथियार और धन दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इजरायल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बैट ने जो कार्य योजना तैयार की है, उसको प्रधानमंत्री नेतन्याहू की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस कार्य योजना में हमास को पूरी तरह से खत्म करने के लिए नए उग्रवादी संगठन को पूरी ताकत के साथ खड़ा किया जा रहा है। हमास के लिए यह विभीषण साबित होंगे। सारी गोपनीय जानकारी यह इजराइल की सरकार को देंगे। संयुक्त रूप से हमास के खिलाफ अपनी लड़ाई को तेज करेंगे। इजराइल को लगता है, इस रणनीति के तहत इजराइल गाजा की लड़ाई को जल्द समाप्त कर देगा। इस समय सारी दुनिया में इजराइल-गाजा तथा रूस और यूक्रेन के बीच में जो युद्ध चल रहा है, वह काफी विनाशकारी साबित हुए हैं। ऐसी स्थिति में सारी दुनिया की चिंता इन दोनों युद्ध को समाप्त कराने की है। इसमें अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा अभी तक जो प्रयास किए हैं, उसमें कोई भी प्रयास सफल नहीं हुए हैं। गाजा में जिस तरह के हालात हैं, वह पूरी मानवता को शर्मसार करने वाले है। इजराइल, रूस और यूक्रेन के सामने आज सारी दुनिया के देश बेबस नजर आ रहे हैं। जो नेता सत्ता के सिंहासन में बैठे हुए हैं, वह इतने अहंकारी हो गए हैं। संवेदनशीलता जैसी कोई स्थिति उनमें देखने को नहीं मिल रही है। मानवता पूरी दुनिया में शर्मसार हो रही है। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग हाथ पर हाथ रख कर बैठा हुआ है। रेड क्रॉस जैसी संस्थाएं कहां चली गईं, इसका भी पता नहीं लग पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद का जैसे कोई अस्तित्व ही नहीं रह गया है। निश्चित रूप से हमास इस समय सबसे कमजोर है। फिर भी वह अपनी लड़ाई लड़ रहा है।हमास के लिए यह विभीषण साबित होंगे। सारी गोपनीय जानकारी यह इजराइल की सरकार को देंगे। संयुक्त रूप से हमास के खिलाफ अपनी लड़ाई को तेज करेंगे। इजराइल को लगता है, इस रणनीति के तहत इजराइल गाजा की लड़ाई को जल्द समाप्त कर देगा। इस समय सारी दुनिया में इजराइल-गाजा तथा रूस और यूक्रेन के बीच में जो युद्ध चल रहा है, वह काफी विनाशकारी साबित हुए हैं। ऐसी स्थिति में सारी दुनिया की चिंता इन दोनों युद्ध को समाप्त कराने की है। हमास के बागी कितना नुकसान पहुंचा पाएंगे यह भविष्य की गर्त में होगा। इतना तय है, हमास का अस्तित्व खत्म नहीं होगा। हां कुछ समय के लिए इजराइल को जरूर अपनी पीठ थपथपाने का मौका मिल जाएगा। जब सत्ता पर बैठे हुए लोग आतंकवाद को फैलाते हैं, तब मानव सभ्यता और मानव समाज को काफी नुकसान उठाना पड़ता है। इसकी भरपाई आसानी से नहीं हो पाती है। हिंसा को कभी हिंसा के जरिए खत्म नहीं किया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र संघ और मानव अधिकार आयोग जैसे संगठनों की वर्तमान स्थिति में जिम्मेदारी बढ़ जाती है। धर्म गुरुओं को भी इस मामले में आगे आना चाहिए। कोई भी धर्म इस तरह की हिंसा का समर्थन नहीं करता है। विचारधारा और स्वतंत्रता को खत्म करना नामुमकिन है। एक दूसरे का सम्मान करके ही स्वतंत्रता और विचारधारा को पोषित किया जा सकता है। शांति के साथ जीवन जीने के लिए यह बात सभी को समझनी होगी।

चिंतन-मनन

प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

भारत में लगातार घटती गरीबी एवं बढ़ती धनाढ्यों की संख्या

भारत में जिस व्यक्ति की शुद्ध सम्पत्ति 5 करोड़ रुपए या उससे अधिक होती है उसे उच्च नेटवर्थ व्यक्ति कहा जाता है। पिछले वर्ष भारत में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की औसत सम्पत्ति 8.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, जबकि विश्व में यह औसतन 2.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। इसका परिणाम यह हुआ है कि भारत में मिलिनेयर्स की संख्या बढ़कर 378,810 हो गई है।

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर वित्तीय संस्थान अब यह स्पष्ट रूप से मानने लगे हैं कि विश्व में भारत की आर्थिक ताकत बहुत तेजी से बढ़ रही है। हाल ही में जारी किए गए एक सर्वे रिपोर्ट में यह बताया गया है कि भारत में पिछले बीते वर्ष में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या एवं उनकी संपतियों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि विश्व के कई देशों विशेष रूप से विकसित देशों में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या एवं इनकी सम्पत्ति में वृद्धि दर लगातार नीचे गिर रही है। इसका आश्य तो अब यही लगाया जा सकता है विश्व में आर्थिक शक्ति अब पश्चिम से पूर्व की ओर स्थानांतरित हो रही है।

भारत में जिस व्यक्ति की शुद्ध सम्पत्ति 5 करोड़ रुपए या उससे अधिक होती है उसे उच्च नेटवर्थ व्यक्ति कहा जाता है। पिछले वर्ष भारत में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की औसत सम्पत्ति 8.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, जबकि विश्व में यह औसतन 2.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। इसका परिणाम यह हुआ है कि भारत में मिलिनेयर्स की संख्या बढ़कर 378,810 हो गई है और इनकी कुल सम्पत्ति 1.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्थात 129 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। वर्ष 2024 में भारत में 4,290 अल्ट्रा उच्च नेटवर्थ व्यक्ति निवास कर रहे थे, जिनकी कुल सम्पत्ति 53,477 करोड़ अमेरिकी डॉलर थी। अल्ट्रा उच्च नेटवर्थ व्यक्ति उस नागरिक को कहते हैं जिसकी शुद्ध सम्पत्ति 3 करोड़ अमेरिकी डॉलर अथवा उससे अधिक होती है।

भारत में तो उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या बढ़ी है परंतु यूरोप में इनकी संख्या 2.1 प्रतिशत घटी है। ब्रिटेन में 14,000, फ्रान्स में 21,000, जर्मनी में 41,000 उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या घटी है। एशिया प्रशांत क्षेत्र में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या 1.7 प्रतिशत बढ़ी है तो लेटिन अमेरिका में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या 8.5 प्रतिशत घटी है। साथ ही, मध्य पूर्व में भी उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की संख्या में 2.1 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

क्या भारत में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की बढ़ती संख्या एवं इनकी बढ़ती सम्पत्ति से भारत में कहीं आर्थिक असमानता के गहराने का संकट तो खड़ा नहीं हो रहा है। हालांकि भारत में उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों की बढ़ती सम्पत्ति, भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत का प्रतीक भी है। परंतु,

यदि इस बढ़ी हुई सम्पत्ति का लाभ समाज के समस्त नागरिकों को नहीं मिल पा रहा है तो यह सोचनीय प्रशन्न अवश्य है।

इसी संदर्भ में हाल ही में विश्व बैंक द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में अतुलनीय रूप से कमी दर्ज की गई है। यह भारत के लिए निश्चित ही बहुत अच्छी खबर हो सकती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अत्यधिक गरीबी में जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 34.44 करोड़ नागरिकों से घटकर 7.52 करोड़ नागरिक रह गई है। भारत में लगभग 27 करोड़ नागरिकों को अत्यधिक गरीबी से ऊपर ले आया जा सका है। विश्व बैंक की उक्त रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2011-12 में भारत की कुल जनसंख्या का 27.1 प्रतिशत नागरिक अत्यधिक ग़रीबी में जीवन यापन करने को मजबूर था परंतु वर्ष 2022-23 आते आते यह संख्या घटकर मात्र 5.3 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है, जबकि, इस बीच भारत की जनसंख्या में भी वृद्धि हुई है। यह भारत में तेज गति से विकसित किए गए रोजगार के अवसरों के चलते सम्भव हो सका है। इस संदर्भ में विशेष रूप से केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाओं के लाभ को देश की अधिकतम जनसंख्या तक पहुंचाने के कारण भारत में बहुआयामी गरीबी को कम करने में अपार सफलता हासिल की जा सकी है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक वर्ष 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 15.5 प्रतिशत तक नीचे आ गया है। आगे आने वर्षों में भी यदि इसी प्रकार के आर्थिक विकास दर भारत में लागू रहती है तो बहुत सम्भव है कि कुछ ही वर्षों के उपरांत संभवत- भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाला एक भी नागरिक शेष नहीं रहेगा।

विश्व बैंक की उक्त रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी को कम करने में लगभग एक जैसी सफलता मिली है। इसी का परिणाम है कि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी दर आज 18.4 फीसदी से घटकर 2.8 प्रतिशत रह गई है। इसी तरह से शहरी क्षेत्रों में भी अत्यधिक गरीबी दर जो 10.7 फीसदी के करीब थी, वह घटकर सिर्फ 1.1 पर आ गई है। इसी तरह का एक व्यापक अंतर ग्रामीण-शहरी जीवन के आर्थिरक व्यवहार में भी दूर हुआ है, यह अंतर 7.7 फीसदी से घटकर सिर्फ 1.7 प्रतिशत पर आ पहुंचा है। विशेष रूप से महिलाओं के बीच रोजगार के अवसरों में अतुलनीय वृद्धि दर हासिल की जा सकी है। ग्रामीण इलाकों में कृषि के क्षेत्र में महिलाओं को रोजगार के अवसरों में वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में शहरी क्षेत्रों के बेरोजगारी की दर 6.6 प्रतिशत तक नीचे आ गई है, जो वर्ष 2017-18 के बाद से सबसे कम है। भारत में गरीबी दूर करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों ने मिलकर काम किया है। इस सम्बंध में विशेष रूप से केंद्र सरकार द्वारा कई योजनाएं लागू की गईं हैं। इन महत्वपूर्ण एवं विशेष योजनाओं में शामिल हैं - प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आयुषमान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना, जैसी अनेक योजनाओं ने देश में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों को बहुत अधिक लाभ पहुंचाया है, जिससे इन्हें गरीबी रेखा के ऊपर लाया जा सका है। इसी प्रकार, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, डिजिटल क्रांति, मेक इन इंडिया, जन औषद्धि केंद्र, विभिन्न फसल की एमएसपी पर खरीदी एवं इसके माध्यम से किसानों को आय की गारंटी देना, मखाना बोर्ड का गठन, जनजातियों का सशक्तिकरण- ग्राम समृद्धि, दालों में आत्मनिर्भरता के लिए मिशन चलाना, प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना, ग्रामीण विद्युत आपूर्ति, किसानों को किफायती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराना, भारत को पंख (उड़ान 2 की उड़ान और तेज हुई), विमानन के क्षेत्र में नए युग का प्रारम्भ, आदि क्षेत्रों में लागू की गई उक्त वर्णित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जो अतुलनीय कार्य किए गए हैं।

विश्व में 16 करोड़ बाल श्रमिक, प्रत्येक दस बच्चों में से एक बाल मजदूर

बाल श्रम, एक ऐसा अभिशाप है, जो बच्चों का ना केवल बचपन, मौलिक अधिकार और आत्म सम्मान का हनन करता है, बल्कि उनकी पहचान भी छीन लेता है। कार्यस्थल पर बाल श्रमिकों को उनके वास्तविक नाम की बजाय छोटू संबोधन से ही बुलाया और जाना जाता है। जिन हाथों में कलम कॉपी होनी चाहिए उन हाथों में चाय की ग्लास, जूठे टेबल को साफ करने वाले कपड़े, खुले आसमान के नीचे जिस सिर पर बंधन रहित बचपन होना चाहिए।

विनोद कुमार विक्की

प्रगति स्पष्ट है, लेकिन अभी और काम करना बाकी है,आइए प्रयासों में तेज़ी लाएँ! 12 जून 2025 (विश्व बाल श्रम निषेध दिवस) का उपरोक्त थीम इस बात का साफ संकेत दे रहा है, कि वैश्विक स्तर पर बाल श्रम उन्मूलन की चुनौती के लिए अभी हमें लंबी लड़ाई लड़नी है। हालांकि सतत विकास लक्ष्य 8.7 को अपनाने के साथ पूर्व में संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 2025 तक बाल मजदूरी के सभी रूपों को समाप्त करने की प्रतिबद्धता जताई है, किंतु यह संघर्ष जारी है। यदि आँकड़ो पर गौर करें, तो दुनिया भर में दस में से लगभग एक बच्चा बाल मजदूरी में संलिप्त है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, वर्तमान में 16 करोड़ बच्चे बाल मजदूरी में लगे हुए हैं। इस में 7.2 करोड़ की संख्या सिर्फ अफ्रीका की है, जो वैश्विक बाल श्रम में सर्वोच्च है। वहीं, एशिया और प्रशांत क्षेत्र में 6.2 करोड़ बच्चे बाल श्रम में संलिप्त हैं।

बाल श्रम, एक ऐसा अभिशाप है, जो बच्चों का ना केवल बचपन, मौलिक अधिकार और आत्म सम्मान का हनन करता है, बल्कि उनकी पहचान भी छीन लेता है। कार्यस्थल पर बाल श्रमिकों को उनके वास्तविक नाम की बजाय छोटू संबोधन से ही बुलाया और जाना जाता है। जिन हाथों में कलम कॉपी होनी चाहिए उन हाथों में चाय की ग्लास, जूठे टेबल को साफ करने वाले कपड़े, खुले आसमान के नीचे जिस सिर पर बंधन रहित बचपन होना चाहिए उस सिर पर ईंट अथवा सामान का बोझ उठाने वाला दृश्य, सभ्य समाज के लिए बदनुमा दाग सा है।

शारीरिक एवं मानसिक रूप से ऐसा कोई भी कार्य जो बालकों से उनका बचपन, उनकी क्षमता और आत्म-सम्मान का हनन करते हुए उन्हें स्कूली शिक्षा से वंचित करता है, बाल श्रम के अंतर्गत आता है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, बाल श्रम 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों द्वारा किया जाने वाला वह काम है जो किसी भी तरह से उनका शोषण करता है, उन्हें मानसिक, शारीरिक या सामाजिक नुकसान पहुँचाता है, या उन्हें जानलेवा खतरे में डालता है।

बाल मजदूरी (निषेध एवं नियमन) अधिनियम, 1986 के अनुसार, 14 वर्ष से कम आयु के किसी बच्चे को किसी कारखाने या खनन कार्य में लगाया जाना अथवा अन्य किसी जोखिम पूर्ण रोजगार में नियुक्त किया जाना, बाल श्रम के अंतर्गत आता है। भारतीय संविधान के भाग तीन अनुच्छेद 24 में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को खतरनाक एवं खादानों में कार्यों में संलिप्त करना प्रतिबंधित किया गया है।अनुच्छेद 32 में भी बाल श्रम का प्रतिषेध और कार्यस्थल पर युवाओं का संरक्षण की चर्चा की गई है। बावजूद इसके कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्रों जैसे कालीन बुनाई, परिधान निर्माण, घरेलू सेवा, गन्ना खेतों, मत्स्य पालन, खनन, होटल,ढ़ाबा,ईंट भट्ठों, भवन निर्माण स्थलों पर बाल श्रमिकों की उपलब्धता सहर्ष ही देखी जा सकती है। गरीबी, अशिक्षा, जागरूकता का अभाव,पारिवारिक परिस्थिति जन्य परिवेश, अपर्याप्त सामाजिक सुरक्षा, सस्ते श्रम की माँग आदि स्थितियां बाल श्रमिक की संख्या में वृद्धि के प्रमुख कारक हैं। भारतीय जनगणना 2011 के अनुसार 1.01 करोड़ बाल श्रमिक का आकलन किया गया था, जबकि वर्तमान में यह संख्या दो करोड़ के लगभग मानी जा रही है, वैसे सरकारी अनुमान के अनुसार लगभग 1 करोड़ 70 लाख भारतीय बच्चे बाल श्रमिक हैं, जो बेहद चिंताजनक है। यूपी, एमपी बिहार, राजस्थान महाराष्ट्र आदि राज्यों में बाल श्रम के मामले ज्यादा देखने को मिलते हैं। वैश्विक स्तर पर समय के साथ बाल श्रम में गिरावट देखने को मिली है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कोविड-19 महामारी, युद्धों और संकटों के कारण उत्पन्न परिस्थितियों ने परिवारों को गरीबी की ओर तथा बचपन को बाल श्रम की ओर धकेलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यद्यपि भारत में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और यूनिसेफ के अलावा बाल श्रम उन्मूलन के लिए बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम (1986), राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना (एनसीएलपी), राष्ट्रीय बाल श्रम उन्मूलन प्राधिकरण (1994),शिक्षा अधिकार अधिनियम(2009), भारत सरकार बाल श्रम (निषेध और विनियमन) संशोधन अधिनियम(2016), कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन, बाल रक्षा भारत, चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन आदि अधिनियम तथा सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन वर्षों से संघर्षरत हैं, तथापि बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम का सख्ती से अनुपालन, शिक्षा का प्रचार-प्रसार, गरीब परिवारों को आर्थिक सहायता, बाल श्रम से पीड़ित बच्चों को पुनर्वास कार्यक्रमों के साथ ही मानवाधिकार संरक्षण एवं जन जागरूकता से बाल श्रम जैसी चुनौतियों से समय रहते निपटा जा सकता है।

विदेशों में श्रीरामकथा एवं श्रीहनुमानजी

डॉ. नरेन्द्रकुमार मेहता

श्रीरामकथा के साथ-साथ हनुमानजी की कथा भी भारत की सीमाओं को पार कर महासागरों के उस पार सुदूर देशों में व्याप्त हो रही है जो कि आज भी वहाँ देखने को मिल जाती है। यह देखने में आया है कि भारत के बाहर विदेशों में श्रीरामकथा की दो धाराएँ प्रवाहित दिखाई देती हैं। प्रथम तो यह जिसमें श्रीराम का स्वरूप भगवान् के रूप में निरूपित किया गया है। दूसरी धारा में वह जिसमें एक महापुरुष का रूप बताया गया है। भगवान का रूप मानने की विचारधारा वस्तुत- भारत की है जो भारतीयों के माध्यम से वहाँ तक पहुँच गई। दूसरी धारा श्रीरामकथा की अद्वितीय मानवीयता की सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय कथा है। दूसरी धारा जो कि दक्षिण पूर्व एशिया के देशों की है जिन्होंने सैकड़ों नहीं सहस्त्रों वर्ष पूर्व श्रीरामकथा की श्रेष्ठता से प्रभावित होकर अपने साहित्य में स्थान देकर स्वीकार कर लिया तथा स्थानीय संस्कृति के रंग में रंगकर उनके सामाजिक जीवन में उतार लिया। हर देश में श्रीरामकथा अपने संस्कृति में रंग ली है। बर्मा, थाईलैण्ड, कम्बोडिया, लाओस, मलेशिया और इंडोनेशिया में से अपनी-अपनी श्रीरामकथा एवं अलग प्रसंगों सहित देखने को मिलते हैं। प्रथम विचारधारा अपेक्षाकृत नवीन है जिसकी अवधि लगभग 150 से 200 वर्षों से अधिक पुरानी नहीं है। यह विचारधारा भारत के परतंत्रता के उस दुर्भाग्य का प्रतीक है जब मारीशस, फिजी, गयाना, टिनिडाड, सूरीनाम आदि सुदूर द्वीपों के गोरे उद्योगपति उत्तरप्रदेश, बिहार आदि भारतीय प्रदेशों के सीधे-सादे, भोले-भाले और गरीब निवासियों को रोजी रोटी देने का लालच देकर यहाँ से ले जाते थे और वहाँ ले जाकर इनसे पशुओं की तरह काम लेते, इनका आर्थिक शोषण करने के साथ ही साथ निर्दयता का तथा अमानवीय व्यवहार भी करते थे। इन निर्धन और अशिक्षित भारतीयों को गोरे लोग अपने एजेंटों के माध्यम से इनके प्रान्तों से सुदूर द्वीपों को ले जाते थे। इन विदेशों में जाने वालों के साथ कोई कीमती वस्तु न होकर श्रीरामचरितमानस (रामायण) और हनुमानचालीसा की एक-एक पुस्तकें होती थी। इनके निजी जीवन एवं सामूहिक जीवन में यही भक्ति एवं सामूहिक मनोरंजन के साधन थे। विदेशों में समुद्री यात्रा में बाधाएँ या तूफान आ जाने पर ये इन पवित्र ग्रन्थों का पारायण करते थे। कुछ वर्षों के उपरान्त ये भारतीय लोग कुली और मजदूर बनकर कार्य करने लगे। जब कभी ये गोरे उन पर अत्याचार करते तो यह भगवान श्रीराम एवं श्री हनुमानजी की शरण में चले जाते तथा दुःख एवं वेदना भूल जाते थे। उनकी व्यथा और वेदना यह लगभग एक से दो शताब्दी तक इनकी पीढ़ियों ने भोगी, किन्तु साहस और धैर्य खोया नहीं। इसका पूरा-पूरा श्रेय रामायण (श्रीरामचरितमानस) एवं हनुमानचालीसा को ही है। आज ये सब देश स्वतंत्र देश के रूप में हैं तथा इनके साथ ही साथ हमारे ये भोले-भोले भाई भी स्वतंत्र हैं। वर्तमान में कुछ देशों में इन भारतीयों ने प्रधानमंत्री, मंत्री तथा शासकीय बड़े-बड़े पद प्राप्त कर लिए हैं किन्तु इन्होंने अपनी रामायण एवं हनुमानचालीसा का कभी भी विस्मरण नहीं किया। देखने में आया है कि वर्तमान में भी मारीशस के ग्रामीण एवं शहरी घरों पर लाल रंग की झंडिया फहराती हुई दिखाई देती है जो कि हनुमानजी के भक्त होने का संकेत है। इनके स्थानों पर श्रीराम एवं हनुमानजी के मंदिरों की स्थापना भी कर दी गई है। इण्डोनेशिया में दसवीं शताब्दी में वहाँ के महाराज बलितुङने प्राम्बानन में विशाल शिवालय का निर्माण करवाया। इसका शिखर 140 फुट ऊँचा और लगभग 244 मंदिरों से घिरा है। इस शिवालय की यह प्रमुख विशेषता है कि इसके प्रदक्षिणा पथ में सम्पूर्ण रामायण उत्कीर्ण है। आज इसकी विश्व के प्राचीनतम कला का श्रेष्ठ उदाहरण है। श्रीराम भक्त हनुमानजी का इसमें अनेक बार चित्रण देखने को मिलता है।

खास बात

थरूर को मंत्री बनाने तैयार है भाजपा

दिल्ली दरबार में चर्चा है ।शशि थरुर को जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल में मंत्री बनाया जा सकता है ।उन्हें विदेश मंत्री बनाया जाएगा। शशि थरूर कह रहे हैं, उन्हें 19 जून को राज्यसभा की जिन आठ सीटों पर चुनाव होना है। उस चुनाव में राज्यसभा का सांसद निर्वाचित कराया जाए। भाजपा अगले साल अप्रैल में उन्हें राज्यसभा में भेजना चाहती है। थरूर मंत्री बन जाएंगे,तो 6 माह के अंदर उन्हें चुनाव लड़कर संसद में पहुंचना होगा ।यह रिस्क लेने के लिए शशि थरूर तैयार नहीं है। इसी पर बात अटकी हुई है। भाजपा 19 जून को होने वाले राज्यसभा के चुनाव में मात्र दो सीटों पर ही अपने सदस्य जिता सकती है। भाजपा ने दो सीटों के लिए पहले से ही नाम तय कर रखे हैं। थरूर को समझ नहीं आ रहा,वह करें तो क्या करें। 2 पाटों के बीच में फंसे हुए हैं।

जम्मो जेट मंत्रिमंडल का गठन करेंगे मोदी

केंद्रीय मंत्रिमंडल में अभी 77 सदस्य हैं। नियमों के अनुसार 81 मंत्री बनाए जा सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस बार 80 मंत्री बना सकते हैं ।एक मन्त्री पद इमरजेंसी के लिए छोड़कर रखना चाहते हैं। नए मंत्रियों को बनाने के लिए भाजपा के कुछ मंत्रियों का बेरोजगार होना तय है। सहयोगी पार्टी के मंत्रियों को नहीं हटाया जा सकता है ।निश्चित रूप से भाजपा कोटे के मंत्रियों को हटाना पड़ेगा। बिहार से एक मंत्री बनना तय है। शशि थरूर का भी मंत्री बनना तय माना जा रहा है। एनसीपी का भी कम से कम एक मंत्री बनना तय है। इसके अलावा भी और कई मंत्री सहयोगी दलों के बनाए जाने हैं। माना जा रहा है, आधा दर्जन से अधिक केंद्रीय मंत्रिमंडल के भाजपा कोटे के मंत्रियों को पद छोड़ना पड़ेगा। सहयोगी दलों के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल में लॉटरी खुलने जा रही है।

केंद्रीय मंत्रियों के चेहरे लटके

2021 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रिमंडल का पुनर्गठन किया था। उनमें नए 36 चेहरों को मोदी ने मंत्रिमंडल में शामिल किया था ।7 पुराने मंत्रियों को प्रमोट किया था। एक ही झटके में नामी चेहरे जिसमें रविशंकर प्रसाद से लेकर प्रकाश जावड़ेकर,डॉक्टर हर्षवर्धन, थावरचंद गहलोत, रमेश पोखरियाल जैसे कद्दावर नेताओं को मोदी जी ने एक झटके में बाहर कर दिया था। इस बार भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री जयशंकर तथा पेट्रोलियम मंत्री हरदीपसिंह पुरी के छुट्टी होने की बात कही जा रही है। मंत्रिमंडल के पुनर्गठन को लेकर भाजपा संगठन और केंद्रीय मंत्रिमंडल में हड़कंप मचा हुआ है। राहु-केतु-शनि की पूजा पाठ में मंत्रीगण लग गए हैं। कौन बचेगा-कौन जाएगा,कहना मुश्किल है।

तमिलनाडु से भाजपा का कोई सांसद नहीं

भाजपा तमिलनाडु में अपने पैर फैलाना चाहती है। तमिलनाडु में लोकसभा और राज्यसभा से भाजपा का एक भी सांसद नहीं है। तमिलनाडु से केंद्र सरकार में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। केंद्र सरकार चाहती है,अन्ना डीएमके, राज्यसभा के चुनाव में भाजपा के लिए एक सीट छोड़ दे। भाजपा के उम्मीदवार को अपना समर्थन दे। अन्नामलाई को भाजपा केंद्र में मंत्री बनाना चाहती है। यदि अन्ना डीएमके से भाजपा का सौदा पट गया ।तो तमिलनाडु में भाजपा को पैर पसारने का मौका मिल जाएगा। अमित शाह तमिलनाडु गए थे। वहां पर उनकी चर्चा हुई है। आगे भगवान मालिक है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि प्रतिपदा गुरुवासरे मूल नक्षत्रे, शुभ योगे, कौलव करणे, धनु की चंद्रमा, मूल समाप्त रात्रि 9.36 लघु वृक्षारोपण, धान्य छेदन, औषधरोपण, बीज व धान्य, लघु वृक्षारोपण स्त्री पुर्सवन तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल। आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, जिद्द-हठी, स्वाभिमानी, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिन्सपाल, वक्ता-अधिवक्ता, नेता, शासक-प्रशासक, विधायक, राजमंत्री, पंडित, विद्वान, मठ-मंदिर का निर्माणकर्ता होगा।

मेष राशि- स्वभाव में आकस्मिक परिवर्तन ही सफलता है, व्यवसाय में उन्नति होगी।

वृष राशि- कार्य में सफलता मिलेगी, मान-सम्मान की प्राप्ति होगी, शत्रु वर्ग का जोर होगा।

मिथुन राशि- यह सप्ताह उत्तम फलकारक है, अधिकारियों का पूर्ण सहयोग अवश्य मिलेगा।

कर्क राशि- नौकरी में व्यावधान हो सकता है, व्यवसाय ठीक नहीं है, भवुकता से हानि होगी।

सिंह राशि- आनंद का अनुभव करेंगे, केतु गृह पीड़ा कारक है, काफी मतभेद अवश्य होंगे।

कन्या राशि- मनोरंजन में अति हर्ष होगा, व्यवसाय में लाभ होगा तथा कार्य अवश्य होगा।

तुला राशि- पारिवारिक उत्तर दायित्व की वृद्धि होगी, आमोद-प्रमोद में विरोध अवश्य होगा।

वृश्चिक राशि- मानसिक तनाव अनावश्यक बढ़ेगा, स्वजनों की सहायता अनुभूति अवश्य होगी।

धनु राशि- व्यवसाय की उन्नति में आर्थिक स्थिति में विशेष सुधार अवश्य होगा, ध्यान दें।

मकर राशि- विलास सामग्री का संचय होगा, अधिकारियों की कृपा का लाभ मिलेगा।

कुंभ राशि- इष्ट मित्रों से अच्छा सहयोग मिले तथा उत्तम लाभ के योग अवश्य बनेंगे।

मीन राशि- गृह-कलह, हीन मनोवृत्ति, शरीर पीड़ा, परेशानी अवश्य ही बनेगी, व्यापार में व्यावधान होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

12 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.30 बजे से
चंद्र	धनु में	कर्क	07.43 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	10.00 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.11 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.22 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.37 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.53 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.58 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.44 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मीन	00.17 बजे से
		मेष	01.48 बजे से
		वृष	03.28 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 163 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 14.28 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 21.57 बजे को समाप्त।
योग शुभ 14.05 बजे को समाप्त।
करण कौलव 14.28 बजे तदनन्तर तैतिल 02.57 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 15.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 09'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872373
जूलियन दिन 2460838.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज
तारीख 15

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बीटेक के बाद केवल प्राइवेट ही नहीं सरकारी नौकरी के भी मौके

बीटेक यानी बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी देश का सबसे लोकप्रिय अंडर ग्रेजुएट कोर्स है जिसे हर साल स्टूडेंट द्वारा अपने करियर का हिस्सा बनाया जाता है। चार साल के इस कोर्स को इंजीनियरिंग के क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है। इस कोर्स के बाद भविष्य में छात्रों को कई अवसर मिलते हैं ये अवसर नौकरी के क्षेत्र में तो मिलते ही हैं साथ ही हायर एजुकेशन के लिए भी यह एक बेहतर ऑप्शन है। आइए विस्तार से चर्चा कर लेते हैं कि बीटेक करने के बाद आप किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

हायर एजुकेशन

बीटेक करने के बाद छात्र आगे की पढ़ाई कर सकते हैं जहां वे एम.टेक या एमई के लिए जाना है, जो दोनों भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले पोस्टग्रेजुएट स्तर के प्रोफेशनल डिग्री प्रोग्राम हैं। एम.टेक का मतलब मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी है, जबकि एमई का मतलब मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग है। भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे आईआईटी और एनआईटी द्वारा पेश किए गए एमटेक प्रोग्रामों में चयनित होने के लिए छात्रों को इंजीनियरिंग में गेट ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए उपस्थित होना पड़ता है।

एमबीए

बीटेक के बाद छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा ऑप्शन एमबीए है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट आमतौर पर कार्य अनुभव हासिल करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी करने का विकल्प चुनते हैं और वे कुछ वर्षों के बाद MBA/PGDM प्रोग्राम को अपना लेते हैं। टॉप MBA कॉलेजों में शामिल होने के लिए छात्रों को CAT और CMAT जैसे लोकप्रिय एमबीए एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होता है।

कैंपस प्लेसमेंट

आमतौर पर कॉलेजों में प्लेसमेंट के जरिए छात्रों का चयन होता है। देश की अलग-अलग कंपनियां कॉलेजों में आकर छात्रों को नौकरी के लिए चुनते हैं। बीटेक के बाद, छात्रों को प्राइवेट कंपनियों द्वारा तकनीकी क्षेत्रों में एंट्री लेवल की नौकरी की भूमिकाओं के लिए काम पर रखा जाता है। आम तौर पर हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले छात्र अपने फील्ड में अनुभव लेने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी लेते हैं।

प्राइवेट कंपनियां

जो छात्र कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प नहीं चुनना चाहते हैं वे अपना बीटेक प्रोग्राम पूरा करने के बाद नौकरी के लिए विभिन्न प्राइवेट कंपनियों में भी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एंट्री लेवल की तकनीकी भूमिकाओं में निजी कंपनियों में शामिल होने के बाद छात्र कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपने पैर जमा कर एक्सपीरियंस ले सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम यूपीएससी द्वारा आयोजित एक नेशनल लेवल का एग्जाम है। जो छात्र बीटेक की पढ़ाई के बाद डिफेंस, पीडब्ल्यूडी, रेलवे आदि की परीक्षा में भाग लेना चाहते हैं उनके लिए यह एक बेहतर ऑप्शन है।

पीएसयू नौकरियां

बीटेक करने के बाद छात्र इंजीनियरिंग के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तकनीकी नौकरी भी कर सकते हैं। कई पीएसयू के छात्रों को उनके गेट स्कोर के आधार पर एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए नियुक्त करते हैं। कुछ पीएसयू जैसे सीआईआई, इसरो और बीएआरसी भी एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए बीटेक छात्रों की स्क्रीनिंग के लिए अपनी परीक्षा आयोजित करते हैं।

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन में कैसे शुरू करें कॅरियर और क्या है इसके लिए आवश्यक कौशल

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है।

डिजिटल क्रांति ने व्यापार की दुनिया को काफी बदल दिया है, विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में और एसईओ में करियर के रूप में नए अवसर खोले हैं। मार्केटिंग के भीतर पूरे नए टूलकिट सामने आए हैं, जो कुछ दशक पहले अकल्पनीय था। एसईओ आज मार्केटिंग के उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जिसने पिछले एक दशक में एसईओ नौकरी के अवसरों की संख्या में काफी इजाफा किया है। सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है। एसईओ एक ऐसा पेशेवर व्यक्ति होता है जो सर्च इंजन परिणामों के पीछे एल्गोरिदम को सीखने और उसमें महारत हासिल करने में माहिर होता है ताकि वे अपने ग्राहकों और कंपनियों को सर्च करने में मदद कर सकें। आजकल एसईओ पेशेवर उच्च मांग में हैं। एसईओ विशेषज्ञों को डिजिटल और सामग्री विपणन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में वेब डेवलपर्स द्वारा सामग्री विपणक के रूप में और कई अन्य भूमिकाओं में काम पर रखा जाता है, केवल इसलिए कि डिजिटल अभियानों को सफल बनाने के लिए कंपनियों को वेब ट्रैफिक की आवश्यकता होती है।

क्या करता है एसईओ ?

जैसे-जैसे अधिक से अधिक व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं वे प्रतिदिन और भी अधिक सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं और अपने ब्लॉग या लेख के जरिये स्टैंड करना और दृश्यता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं। सही विजिबिलिटी के बिना व्यवसायों के लिए अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचना, अपनी ब्रांड की उपस्थिति बनाना और अपनी वेबसाइट के माध्यम से विश्वास पैदा करके और एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश करके संभावनाओं को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए एसईओ में करियर आपको ऑर्गेनिक तरीकों के माध्यम से सर्च इंजन पर ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की मांग करेगा।

एसईओ कैसे काम करता है ?

एसईओ कॅरियर के अवसरों के साथ आप मुख्य रूप से दो मूल सिद्धांतों के साथ काम करेंगे- अत्यधिक प्रासंगिक कीवर्ड-रिच कंटेंट विकसित करना और वेबसाइट और वेब पेजों के लिए गुणवत्ता वाले बैकलिंक बनाना। सर्च इंजन ने एक व्यापक सूचकांक बनाया है जो सर्च क्वेरी के लिए प्रासंगिकता के क्रम में क्रमबद्ध है। इस प्रकार जब उपयोगकर्ता एक खोज क्वेरी में प्रवेश करता है तो सर्च इंजन जल्दी से अपने सूचकांक के माध्यम से चलता है और तुरंत परिणाम देता है। प्रत्येक कीवर्ड के लिए खोजकर्ता सर्च इंजन में इनपुट करता है।

इंडेक्सेशन के लिए ये सर्च इंजन क्रॉलर पर भरोसा करते हैं और इसलिए ऐसा नाम दिया गया है क्योंकि एक स्पाइडर की तरह वे पूरी वेब डायरेक्टरी को क्रॉल करते हैं। बैकलिंक्स गूगल बॉट्स को आपकी सामग्री को शीघ्रता से खोजने में मदद करते हैं क्योंकि वे अधिक आधिकारिक साइटों पर अधिक बार क्रॉल करते हैं। साथ ही अच्छे ऑर्गेनिक बैकलिंक्स आपकी वेबसाइट के लिए विश्वास और प्रासंगिकता का एक मीट्रिक है जो उपस्थिति और रैंक को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए एक प्रासंगिक आधिकारिक साइट से बैकलिंक्स प्राप्त करना कॅरियर के अवसरों के आवश्यक पहलू होते हैं। इसके साथ ही केवल कुछ डोमेन के बजाय कई डोमेन से बैकलिंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। गुणवत्ता वाले बैकलिंक आपकी रैंकिंग को त्वरित अवधि में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं और इन सभी विभिन्न आधिकारिक वेबसाइटों से बड़ी मात्रा में रेफरल ट्रैफिक भी प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा एक गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने और उच्च-गुणवत्ता वाले बैकलिंक्स प्राप्त करने के लिए आपकी गतिविधियाँ भी समय लेने वाली और एक श्रमसाध्य कार्य हो सकती हैं। इसलिए आपको एक उचित योजना के साथ काम करने और धैर्य रखने की आवश्यकता होगी।

किस तरह के कौशल की जरूरत होती है ?

एसईओ अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है क्योंकि सर्च इंजन एल्गोरिदम पर्याप्त रूप से उन्नत होते जा रहे हैं। इसलिए, एसईओ में कॅरियर आज कई कौशलों में महारत हासिल करने की मांग करता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आपको बाजार के रुझानों के साथ बने रहने के लिए एक डायनामिक लर्नर होने की आवश्यकता होती है। सर्च इंजन एक वर्ष के भीतर कई अपडेट लाते हैं और इस बात पर नजर रखना कि वे आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि विभिन्न अपडेट आते रहते हैं। इसके बाद आपको मुख्य एसईओ कौशल में अपने लिए एक मजबूत नींव बनाने की जरूरत होती है। आपको डिजिटल मार्केटिंग के नट और बोल्ट को समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करना शुरू करने की आवश्यकता होती है। आपको नजर रखने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि प्रतियोगी कैसे आगे बढ़ रहे हैं और इस पर शोध फिर से पूरी तरह से सुनिश्चित होने वाला है। इसके आलावा आपको वेब फंडामेंटल, डेटाबेस तकनीकों और विशेष रूप से फ्रंट एंड, वेबसाइट प्रबंधन के फाइल प्रबंधन पहलुओं की एक ठोस समझ होनी चाहिए। विश्लेषणात्मक कौशल अत्यधिक मूल्यवान होने जा रहे हैं। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको अपने प्रयासों के प्रभाव और परिणाम को मापने के लिए गूगल विश्लेषिकी और गूगल सर्च कंसोल के साथ समझने और काम करने की आवश्यकता होती है। आप विविध स्रोतों से प्रतिदिन आने वाली ढेर सारी सूचनाओं के साथ काम कर रहे होंगे। इसलिए आपको न केवल इसका अर्थ निकालने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि जानकारी को प्राथमिकता भी देनी होगी। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको व्यावसायिक परिदृश्य को समझने और गहन प्रतिस्पर्धा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी। बैकलिंक प्रोफाइल को समझने के लिए एक टैब रखें कि वे क्या बना रहे हैं, वे किस प्रकार की सामग्री पोस्ट कर रहे हैं और वे कौन सी प्रेस विज्ञप्ति कर रहे हैं।

आप कैसे शुरुआत कर सकते हैं ?

पहले सर्च इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग के लिए वेबसाइट सेट करना वेबसाइट डेवलपर्स और एडमिन का डोमेन हुआ करता था। लेकिन एक अलग डोमेन और स्वतंत्र अभ्यास के रूप में एसईओ के उदय के साथ अब यह बदल गया है। यदि आप मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, एनालिटिक्स के बारे में सीरियस हैं तो यह आपके लिए शुरुआत करने के लिए यह सही क्षेत्र है। इस अभ्यास में उत्कृष्ट विकास क्षमता है। जैसे-जैसे आप अधिक कौशल प्राप्त करते रहेंगे और अपने व्यवसाय और संचार कौशल का निर्माण करते रहेंगे, आप समय के साथ अपने आप से एक डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधक बनने की उम्मीद कर सकते हैं। एसईओ में कॅरियर फ्रीलांसिंग स्पेस में कई अवसर भी खोलता है। यदि आप विज्ञान पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं तो भी एसईओ कॅरियर के अवसरों में प्रवेश पाना असंभव नहीं होगा। कुछ तकनीकी अवधारणाएँ होंगी जिनमें आपको महारत हासिल करने की आवश्यकता होगी, लेकिन जब आप कोशिश करना शुरू करेंगे तो यह अंतत : आपके पास आ जाएगी।

बनना है सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर तो इन बातों का हमेशा रखें ध्यान

फिटनेस के क्षेत्र में जॉब की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। युवा तो युवा, अधिक उम्र के लोग भी फिटनेस ट्रेनर बनने की तरफ अपने कदम बढ़ा रहे हैं। यह माना जा रही है कि आने वाले वक्त में फिटनेस ट्रेनिंग इंडस्ट्री में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। केवल एक लीन बॉडी पाने की चाहत ने ही नहीं बल्कि हेल्थी लाइफस्टाइल की जरूरत ने भी इस क्षेत्र में इतनी वृद्धि की है। एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर के लिए जॉब की अपार संभावनाएं मार्केट में मौजूद हैं। इतना बेहतर करियर लेकिन सवाल सिर्फ एक- 'कैसे बना जाए सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर'। चलिए आज हम आपको विस्तार से बताते हैं कि एक फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए आपके पास कौन- से गुण होने चाहिए और आप कैसे बन सकते हैं एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर। फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान में।

डेवलप करें जरूरी स्किल्स

फिटनेस के क्षेत्र में करियर बनाना आसान नहीं है। यदि आप इस इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहते हैं, तो आपको फिटनेस फ्रीक बनना होगा और दूसरों को भी फिटनेस हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को उपयुक्त फिटनेस प्रोग्राम का पालन करने के लिए मोटिवेट करते हैं ऐसे में खुद को फिट रखना बेहद जरूरी है। एक फिटनेस ट्रेनर के पास अलग-अलग तरह के लोगों से निपटने के लिए अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल की जरूरत पड़ती है।

सर्टिफिकेशन कोर्स में करें रजिस्टर

फिटनेस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त ऑर्गनाइजेशन से सर्टिफाइड होना बेहद जरूरी है। कई संगठन लिखित और प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन के साथ विभिन्न प्रकार के फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स प्रदान करते हैं। इन सर्टिफिकेशन कोर्स की अवधि 2-3 महीने की हो सकती है जिसकी फीस 10,000-30,000 रुपये के बीच हो सकती है। ज्यादातर सर्टिफिकेशन 2-3 सालों में समाप्त हो जाते हैं और उन्हें रिन्यू करने की जरूरत होती है।

स्पेशलिस्ट सर्टिफिकेशन जरूरी

आप फिटनेस ट्रेनिंग के क्षेत्र में भी अपनी स्पेशलाइज्ड फील्ड में सर्टिफिकेशन ले सकते हैं। यह बेहद जरूरी भी है। अगर आप वेट लिफ्टिंग आदि में रुचि रखते हैं तो उसमें भी सर्टिफिकेशन कोर्स किया जा सकता है।

शुरू करें अपना फिटनेस बिजनेस

एक बेहतर फिटनेस बनने की चाह रखने वालों के लिए अपना बिजनेस शुरू करना बेहद लाभदायक हो सकता है।

ऑन जॉब ट्रेनिंग

अगर आप एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो आपको वर्क एक्सपीरियंस होना बेहद आवश्यक है। ज्यादातर फिटनेस ट्रेनर अपने अनुभव के कारण सफलता प्राप्त कर पाते हैं। प्रोफेशनल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए फ्रेशर्स फिटनेस ट्रेनर के अंडर असिस्टेंट का कार्य भी कर सकते हैं और काफी कुछ सीख सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

चिली लगातार तीसरे फीफा वर्ल्ड कप से बाहर, कोच रिकार्डो गरेका ने दिया इस्तीफा

साओ पाउलो। चिली की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। टीम फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रही है और लगातार तीसरे वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। मंगलवार को एल एल्टो (बोलीविया) में खेले गए मुकाबले में चिली को बोलीविया के हाथों 0-2 से हार झेलनी पड़ी, जिससे वह दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में सबसे आखिरी स्थान पर ही बनी रही। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम के मुख्य कोच रिकार्डो गरेका ने इस्तीफे की घोषणा कर दी। अर्जेंटीना के 67 वर्षीय इस कोच ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं खिलाड़ियों और अधिकारियों को उनके समर्थन के लिए सार्वजनिक रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अब टीम को छोड़ रहा हूं। चिली की गोल्डन जनरेशन जिसने 2015 और 2016 में दो कोपा अमेरिका खिताब जीते थे, अब इतिहास बन चुकी है। टीम के दिग्गज स्ट्राइकर एलेक्सिस सांचेज़ ने हार के बाद कहा, बहुत दुख हो रहा है, मैंने ऐसा पहले कभी महसूस नहीं किया। हमें लोगों से माफ़ी मांगनी चाहिए। बदलाव की शुरुआत हो चुकी है, गोल्डन जनरेशन अब दफन हो चुकी है — मैं अकेला बचा हूं। बोलीविया ने मैच की शुरुआत में ही पांचवें मिनट में मिगुएल तेरेसेरोस के गोल से बढ़त बना ली थी।

एमआईसी को हराकर प्रयाग क्लब बना चैम्पियन

प्रयागराज। प्रयाग क्लब ने एमआईसी को नौ विकेट से हराकर स्वर्गीय केशरी नाथ त्रिपाठी स्मृति अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता के खिताब पर कब्जा जमा लिया। सीएवी कॉलेज मैदान पर बुधवार को खेले गये फाइनल मैच में टास जीतकर एमआईसी ने 21.3 ओवर में 77 रन बनाये। जवाब में प्रयाग क्लब ने 9.2 ओवर में एक विकेट पर 78 रन बना लिये। मैच में मोहम्मद नबी व आदित्य वर्मा अंपायर एवं खुर्शीद अहमद स्कोरर रहे। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के पूर्व अपर महाधिवक्ता नीरज त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि एनआईएस कोच हसबीन अहमद, पूर्व क्रिकेटर संतोष यादव एवं सेवानिवृत्त डीएसपी वीके आर्य ने पुरस्कार वितरित किये। अर्णव अग्रवाल को मैन आफ द मैच, मनित मालवीय को बेस्ट बॉलर और अनंत पाल को बेस्ट बैटर एवं मैन आफ द टूर्नामेंट चुना गया। प्रतियोगिता के संरक्षक रमेश पाल, अध्यक्ष अभिजीत सोनकर और सचिव प्रशांत सिंह रिंकू ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। आयोजन सचिव शिवार्जित पाल ने धन्यवाद ज्ञापन एवं अजय सिंह यादव ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर अमित सिंह, प्रिमांशु ब्रिज, अकील अब्बास रिजवी, प्रशांत खरे, रितेश जायसवाल, जुल नूरैन आदि मौजूद रहे।

यूरोप दौरे पर दर्ज की लगातार दूसरी जीत

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को हराया

एंटवर्प ■ एजेंसी

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर अपना विजय अभियान जारी रखते हुए मंगलवार को बेल्जियम के खिलाफ 2-1 से रोमांचक जीत दर्ज की। यह मुकाबला बेल्जियम के एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लेन में खेला गया। भारत की ओर से ललथनतलुआंगी (35वें मिनट) और गीता यादव (50वें मिनट) ने गोल किए।

मुकाबले की शुरुआत से दोनों टीमों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला, लेकिन पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। मैच का पहला गोल 35वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक के रूप में मिला, जिसे ललथनतलुआंगी ने सफलतापूर्वक गोल में तब्दील कर भारत को बढ़त दिलाई।

चौथे और अंतिम क्वार्टर में बेल्जियम की ओर से वैन हेलमॉन्ट ने 48वें मिनट में फील्ड गोल करते हुए स्कोर को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। हालांकि, इसके तुरंत बाद 50वें मिनट में गीता यादव ने शानदार फील्ड गोल करते हुए भारत को दोबारा बढ़त दिला दी।

इसके बाद भारतीय डिफेंस ने मजबूती से खेल दिखाया और बेल्जियम के आखिरी समय में किए गए लगातार हमलों को नाकाम कर दिया। इस जीत के साथ भारत ने बेल्जियम के खिलाफ लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। भारतीय जूनियर महिला टीम अब अपने यूरोप दौरे का अंतिम मुकाबला 12 जून को एक बार फिर बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी।

फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स

अल्माडा ने अर्जेंटीना की बचाई लाज, ऑस्ट्रेलिया-जापान सहित कई टीमें क्वालिफाई

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मंगलवार को खेले गए फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स के मुकाबलों में रोमांच चरम पर रहा, जहां एक ओर अर्जेंटीना ने 10 खिलाड़ियों के साथ कोलंबिया से ड्रॉ खेलते हुए अपराजित क्रम बरकरार रखा, वहीं ऑस्ट्रेलिया, जापान, ईरान, दक्षिण कोरिया और उज़बेकिस्तान जैसी टीमों ने अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया।

ब्यूनस आयर्स में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना को कोलंबिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर संतोष करना पड़ा। कोलंबिया ने मैच के 24वें मिनट में लुइस डियाज़ के शानदार एकल प्रयास से बढ़त बना ली थी।

अर्जेंटीना की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब एंज़ो फर्नांडीज को दूसरे हाफ में रेड कार्ड दिखाया गया, लेकिन 81वें मिनट में थियागो अल्माडा ने बराबरी का गोल दागकर अपनी टीम को हार से बचा लिया और अर्जेंटीना की अपराजित लय को पांच मैचों तक पहुंचा दिया। जेद्दा में ऑस्ट्रेलिया ने सऊदी अरब को 2-1 से हराकर लगातार छठी बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर लिया। पहले गोल सऊदी अरब की ओर से अब्दुलरहमान अल-ओबूद ने 19वें मिनट में किया।

एनसीआर के पदक विजेता पहलवान वर्ल्ड चैम्पियनशिप में करेंगे प्रतिनिधित्व

महाप्रबंधक से मुलाकात कर उपलब्धियों से कराया अवगत

प्रयागराज ■ एजेंसी

उत्तर मध्य रेलवे के दो पहलवानों उदित एवं जौंटी कुमार ने महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी से मुलाकात कर अपनी उपलब्धियों से अवगत कराया। दोनों खिलाड़ी आने वाले वर्ल्ड चैम्पियनशिप 13 से 21 सितम्बर में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि उदित ने फ्रीस्टाइल कुश्ती, भार वर्ग 57 किलोग्राम एवं 61 किलोग्राम में लड़ते हुए ओमान, जार्डन में आयोजित सीनियर एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप 2025 एवं मंगोलिया में आयोजित सीनियर रैंकिंग सीरीज कुश्ती चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता। इसके पूर्व भी उन्होंने अखिल भारतीय रेलवे पुरुष कुश्ती चैम्पियनशिप, कपूरथला 2024 एवं सीनियर फेडरेशन कप कुश्ती चैम्पियनशिप पंजाब 2024 में स्वर्ण पदक भी जीता था। जोन्टी कुमार ने फ्रीस्टाइल कुश्ती, भारवर्ग 86 व 97 किलोग्राम में खेलते हुए सीनियर एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप, ओमान, जार्डन 2025 में चतुर्थ स्थान, अखिल भारतीय रेलवे पुरुष कुश्ती चैम्पियनशिप, कपूरथला 2024 एवं सीनियर नेशनल कुश्ती चैम्पियनशिप 2024, पुणे (महाराष्ट्र) में स्वर्ण पदक जीत कर राष्ट्र और जोन को गौरवान्वित किया। उत्तर मध्य रेलवे के कुश्ती कोच संदीप दाहिया और खिलाड़ियों ने महाप्रबंधक से उनके कार्यालय में जाकर उनको इन उपलब्धियों से अवगत कराया। महाप्रबंधक ने खिलाड़ियों से प्रत्येक के विषय में जानकारी ली और उनको हासिल की गई शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। महाप्रबंधक ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी वे उत्तर मध्य रेलवे और राष्ट्र के लिए इसी तरह की उपलब्धियां हासिल करेंगे। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के अध्यक्ष एसपी द्विवेदी, उपाध्यक्ष, महासचिव, सर्वेश चंद द्विवेदी, सचिव-महाप्रबंधक अखिल शुक्ला, उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के संयुक्त सचिव डॉ. अमित मालवीय उपस्थित रहे।

व्यापार

संक्षिप्त समाचार

यूरोपीय संघ एफटीए से 'ऊर्जा और कच्चा माल' अध्याय हटाने पर राजी

नई दिल्ली। भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत 'ऊर्जा और कच्चा माल' अध्याय को बातचीत से अलग रखने तैयार कर लिया है। यूरोपीय संघ ने एकतरफा तरीके से उस अध्याय को शामिल किया था। इसमें भारत से पेट्रोलियम उत्पादों, रसायनों, कपास, लौह और इस्पात, तांबा और अन्य महत्वपूर्ण धातुओं जैसे कच्चे माल की निर्बाध आपूर्ति की प्रतिबद्धता अनिवार्य करने का प्रावधान था। 12 से 16 मई को नई दिल्ली में मुक्त व्यापार समझौते के लिए 11वें दौर की बातचीत के बाद यूरोपीय आयोग ने कहा था कि इस पर बात करने से पहले सहमति बनी थी कि ऊर्जा और कच्चे माल के अध्याय पर चर्चा को फिलहाल अलग रखा जाएगा। कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण कई देशों में ऊर्जा और कच्चे माल की आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर जबरदस्त रुचि पैदा हुई है। चीन द्वारा हाल ही में दुर्लभ खनिज मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध ने भी विविध स्रोतों से विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने की जरुरत बताई। यूरोपीय संघ अधिकांश कच्चे माल की आपूर्ति के लिए पूरी तरह तीसरे देशों पर निर्भर है। आपूर्ति जोखिम को कम करने के लिए यूरोपीय संघ ने तय किया है कि 2030 से किसी भी कच्चे माल की आपूर्ति का 65 फीसदी से ज्यादा हिस्सा किसी एक देश से आयात नहीं किया जाएगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के संस्थापक ने कहा कि यूरोपीय संघ का व्यापार समझौते का रुख विरोधाभासों से भरा है क्योंकि वह विकासशील देशों से कोई प्रतिबंध नहीं चाहता है जबकि कार्बन-उत्सर्जन वाली वस्तुओं पर कर, सख्त प्रौद्योगिकी हस्तांतरण नियंत्रण जैसे प्रतिबंध को लागू करने का अधिकार अपने पास रखता है।

ग्लोबल मार्केट से मिले पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजारों भी में दिखा तेजी का असर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का रुख बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,038.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 123.75 अंक यानी 0.63 प्रतिशत उछल कर 19,714.99 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया?। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 87.41 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,779.46 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,853.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,804.33 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरित डीएएक्स इंडेक्स 186.76 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,987.56 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,192.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,913.79 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,175 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,141.48 अंक के स्तर पर आ गया है। हैंग सेंग इंडेक्स ने आज बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 234.39 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,397.26 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 149.72 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,391.86 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.67 प्रतिशत उछल कर 2,891.21 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,402.77 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 158.54 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 38,370.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

अगले पांच साल में भारतीय कंपनियां करेंगी बड़े पैमाने पर निवेश

भारत की कंपनियां अगले पांच साल में बड़े पैमाने पर निवेश करने की योजना बना रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान पूंजीगत खर्च दोगुना होकर 850 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। बिजली, बिजली ट्रांसमिशन, एयरलाइंस और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे सेक्टर इस निवेश के केंद्र में रहेंगे। मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर नकदी प्रवाह और सरकार की अनुकूल नीतियों के दम पर कंपनियां अपने कारोबार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में हैं। बिजली, एयरलाइंस और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे सेक्टर होंगे निवेश का केंद्र रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की शीर्ष 100 लिस्टेड कंपनियां, जिनका कुल राजस्व 1 ट्रिलियन डॉलर और 2025 में 150 अरब डॉलर का है, इस निवेश का बड़ा हिस्सा अपनी कमाई से पूरा करेंगी। इससे उनका कर्ज नियंत्रण में रहेगा।

पीयूष गोयल ने स्विट्जरलैंड के उद्योगपतियों से भारत के 11 साल के विकास पर की चर्चा

बर्न (स्विट्जरलैंड)। भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री पीयूष गोयल ने स्विटजरलैंड के खूबसूरत शहर बर्न की दो दिवसीय सफल यात्रा का समापन, गर्मजोशी, मधुर यादों और नई साझेदारियों के साथ किया। गोयल ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, भारत की विकास कहानी में स्विस उद्योग जगत के नेताओं और प्रमुख हितधारकों की जिज्ञासा, रुचि और विश्वास से बेहद प्रभावित हूं। आगे रोमांचक अवसर हैं। पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा, स्विसमेम उद्योग दिवस पर अलग-अलग इंडस्ट्री से जुड़े 1,000 से अधिक स्विस उद्यमियों के सम्मेलन को संबोधित करना मेरे लिए सम्मान की बात रही। मेरे साथ स्विस फेडरल काउंसलर पर्मेलिन जी भी शामिल हुए। उन्होंने पिछले 11 वर्ष में प्रौद्योगिकी, नवाचार और व्यापार के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान करने के मामले में भारत के उल्लेखनीय परिवर्तन को उजागर करने के अवसर का लाभ उठाया। केंद्रीयमंत्री गोयल ने लिखा, स्विस उद्योग जगत को भारत में विकास और निवेश के लिए अद्वितीय अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया है। उन्होंने भारत के कुशल और प्रतिभाशाली कार्यबल और सुविधाजनक व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाया। अब भारत-स्विस संबंधों का नया मजबूत अध्याय शुरू हो रहा है। इस सम्मेलन की प्रमुख भागीदार हेलेन बुडलिगर आर्टिडा ने गोयल की एक्स पोस्ट को जस का तस अपने एक्स हैंडल पर साझा किया। उल्लेखनीय है स्विसमेम स्विट्जरलैंड के मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग उद्योगों (एमईएम उद्योगों) और संबंधित प्रौद्योगिकी-उन्मुख क्षेत्रों का प्रमुख संघ है। गोयल ने कहा कि इस दौरे के दौरान दुनिया की सबसे बड़ी कंटेनर शिपिंग कंपनी और परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स में वैश्विक अग्रणी, मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी के सीईओ सोरेन टॉफ्ट के साथ अत्यंत उपयोगी बातचीत हुई। उन्होंने भारत के तेजी से बढ़ते शिपिंग, लॉजिस्टिक्स और बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विस्तार करने में निवेश की रुचि दिखाई। निकट भविष्य में महत्वपूर्ण साझेदारी की आशा है। इसके अलावा टिकाऊ पैकेजिंग समाधानों में अग्रणी एसआईजी ग्रुप के सीईओ सैमुअल सिग्रिस्ट के साथ सार्थक चर्चा हुई।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील में पेंच, अमेरिकी दबाव को मानने से भारत का इनकार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील में कुछ मुद्दों को लेकर मामला फंसता नजर आ रहा है। भारत और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच 4 से 10 जून के बीच दिल्ली में आपसी व्यापार से जुड़े सभी मुद्दों पर विस्तार से बातचीत हुई। इसके बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य वापस लौट गए, जबकि कुछ सदस्यों की अभी भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल से बातचीत जारी है।

बताया जा रहा है कि एग्रीकल्चर, डेयरी, मेडिकल और डिजिटल सर्विसेस को लेकर भारत ने अमेरिका की मांग को पूरी तरह से ठुकरा दिया है। अमेरिका इन सेक्टर्स को ओपन करने का दबाव बना रहा है लेकिन भारत ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि दोनों देशों के बीच होने वाली ट्रेड डील पूरी तरह संतुलित होनी चाहिए, जिससे दोनों देशों के हितों का परस्पर ध्यान रखा जा सके।

भारत और अमेरिका दोनों देश डोनाल्ड ट्रंप की सरकार द्वारा शुरू की गई टैरिफ पॉलिसी को ध्यान में रखते हुए ट्रेड डील करना चाहते हैं। फिलहाल डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर 8 जुलाई तक के लिए रोक लगा दी है। यही कारण है कि दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल 8 जुलाई के पहले ट्रेड डील को आखिरी रूप दे देना चाहते हैं, ताकि दोनों देशों के बीच होने वाले परस्पर कारोबार पर कोई असर न पड़े।

ट्रेड डील को लेकर शुरू हुई बातचीत में अमेरिकी पक्ष पहले से ही डेयरी और एग्रीकल्चर सेक्टर को ओपन करने का दबाव बना रहा है। दूसरी ओर, भारत ने इन क्षेत्रों को संवेदनशील मानते हुए खोलने से इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि अगर डेयरी और एग्रीकल्चर जैसे सेक्टर्स को पूरी तरह से ओपन कर दिया जाता है, तो इससे इन सेक्टर्स में विदेशी कंपनियों के साथ होने वाली प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाएगा, जिससे भारतीय कारोबारियों को नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि भारत द्वारा इन सेक्टर्स को ओपन करने से साफ-साफ इनकार कर देने की वजह से भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई है। अमेरिका का कहना है कि अगर भारत इन सेक्टर्स को ओपन करने के लिए तैयार नहीं होता है, तो फिर दोनों देशों के बीच ट्रेड डील नहीं हो सकती है।

मत्स्य पालन को लेकर जितेन्द्र सिंह ने की नॉर्वे की मंत्री मैरिएन सिवर्टसन नेस के साथ बैठक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बुधवार को नॉर्वे की मत्स्य पालन और महासागर नीति मंत्री मैरिएन सिवर्टसन नेस के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसमें टिकाऊ मत्स्य पालन, समुद्री संसाधन प्रबंधन और नीली अर्थव्यवस्था के व्यापक ढांचे से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

बाद में दोनों मंत्रियों के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की गई जिसमें टिकाऊ महासागर शासन और मत्स्य पालन पर सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

दोनों मंत्रियों ने समुद्री शासन में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया, जिसमें मत्स्य पालन क्षेत्र में भारत और नॉर्वे के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को दर्शाया गया। बुधवार को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि दोनों पक्षों के बीच चर्चा में समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग, बेहतर डेटा साझाकरण तंत्र और अत्यधिक मछली पकड़ने और समुद्री प्रदूषण जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों जैसी साझा प्राथमिकताओं को भी शामिल किया गया।

दोनों पक्षों ने सतत विकास के लिए महासागर विज्ञान के संयुक्त राष्ट्र दशक (2021-2030) के लक्ष्यों को प्राप्त करने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व को स्वीकार किया, जिसमें ज्ञान के आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकी साझाकरण पर जोर दिया गया। मंत्रियों ने मौजूदा भारत-नॉर्वे सहयोग को आगे बढ़ाने, विशेष रूप से एक स्थायी और समावेशी नीली अर्थव्यवस्था के विकास से जुड़े क्षेत्रों में अवसरों की भी पहचान की।

9 से 13 जून तक आयोजित हो रहे यूएनओसी3 में वैश्विक नेता, वैज्ञानिक, नीति निर्माता और उद्योग प्रतिनिधि महासागर स्वास्थ्य, सतत विकास और जलवायु लचीलेपन के लिए सामूहिक कार्रवाई पर चर्चा करने के लिए एकत्रित हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईपीयू के बीएससी-एमएससी ड्यूल डिग्री प्रोग्राम की ऑफलाइन काउंसलिंग 17 को

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी में बीएससी-एमएससी ड्यूल डिग्री प्रोग्राम के लिए ऑफलाइन काउंसलिंग 17 जून को आयोजित की जाएगी। यूनिवर्सिटी ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि यह काउंसलिंग द्वारका कैंपस में होगी और इसमें सीईटी और जेईई मेन पेपर वन के माध्यम से आवेदन करने वाले छात्रों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। यह प्रोग्राम यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंस में उपलब्ध है और इसमें ईडब्ल्यूएस का कोटा मिलाकर कुल 198 सीटें हैं। काउंसलिंग के बाद सीईटी के रैंक और जेईई के मेरिट और श्रेणी के अनुसार सीटों का आवंटन किया जाएगा। काउंसलिंग के बारे में विस्तृत विवरण यूनिवर्सिटी की वेबसाइट (www.ipu.ac.in ¥öÚU www.ipu.admissions.nic.in) पर उपलब्ध है। आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे वेबसाइट पर जाकर विस्तृत जानकारी प्राप्त करें और आवश्यक दस्तावेज तैयार रखें।

पेंशनधारकों की शिकायतों के समाधान के लिए जुलाई में विशेष अभियान 2.0 होगा शुरु

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्रीय पेंशनधारकों, विशेषकर परिवार पेंशनधारकों और सुपर सीनियर नागरिकों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए विशेष अभियान 2.0 शुरू करने का निर्णय लिया है। यह अभियान 01 से 31 जुलाई तक चलेगा। इस अभियान की शुरुआत पीएमओ में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह करेंगे। इसका उद्देश्य महिलाओं के सशक्तीकरण और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को बढ़ावा देना है। अभियान के तहत कुल 2210 पेंशन शिकायतों को 51 मंत्रालयों, विभागों और संगठनों को समाधान के लिए सौंपा गया है। सचिव (पेंशन) की अध्यक्षता में 11 जून को एक तैयारी बैठक हुई, जिसमें पेंशन शिकायतों से जुड़े नोडल अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में विशेष अभियान की दिशा-निर्देशों पर चर्चा की गई, ताकि इसका क्रियान्वयन सुचारु रूप से हो सके। सचिव ने स्पष्ट किया कि शिकायतों का समाधान गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। सीपीईएनजीआरएएमएस पोर्टल पर किसी शिकायत को तभी बंद किया जाए जब उसका पूरी तरह समाधान हो जाए। इसके साथ ही अभियान के संचालन में विभागीय सहयोग और समन्वय का आश्वासन दिया गया।

मुंबई में 52 करोड़ रुपये की ड्रग बरामद, ब्रिटिश नागरिक समेत 6 तस्कर गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 52 करोड़ रुपये की ड्रग सहित 6 तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में एक ब्रिटिश नागरिक भी शामिल है, जो इस गिरोह का सरगना है। वह मोजाम्बिक के रास्ते देश में ड्रग्स की तस्करी करता था। मुंबई पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) के एक अधिकारी ने बुधवार को पत्रकारों को बताया कि उनकी टीम एक गुप्त सूचना के आधार पर 28 मई को लंदन निवासी 50 वर्षीय कुलदीप सिंह हरजीत सिंह गोजारा को जोगेश्वरी इलाके से गिरफ्तार किया था। उसके पास से ट्रॉली बैग में 5.02 किलोग्राम कोकीन मिली, जिसकी कीमत करीब 52 करोड़ रुपये है। गोजारा जोगेश्वरी ईस्ट में कोकीन की खेप पहुंचाने आया था। गोजारा मूल रूप से पंजाब का रहने वाला है, लेकिन लंदन में रहता है। गोजारा की गिरफ्तारी के बाद एंटी-नारकोटिक्स सेल की वर्ली यूनिट ने उसके खरीदारों और आपूर्तिकर्ताओं का पता लगाने के लिए जांच शुरू की। इसके बाद एएनसी टीम ने दीव द्वीप के रहने वाले महेंद्र प्रेजी को भी गिरफ्तार किया। उससे गहन पूछताछ के बाद पुलिस ने अब्दुल समद अफजल मेमन, परवेज अफाक और ऋषभ एड्रिस को गिरफ्तार किया।

देश में कोरोना के एक्टिव केस 7154 पार, 77 मौतें

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस का नया वैरिएंट तेजी से फैल रहा है। 30 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एक्टिव केसों की संख्या 7154 पहुंच गई है। एक हफ्ते से औसतन हर दिन 400 नए केस सामने आए। हालांकि, बुधवार को केवल 33 केस दर्ज हुए हैं।
केरल में सबसे ज्यादा 2165 मामले हैं।
स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, बीते एक हफ्ते में कोरोना से 30 लोगों की जान गई है। नए वैरिएंट से अब तक 77 मौतें हुई हैं। बुधवार को 3 लोगों ने जान गंवाई। महाराष्ट्र में 2, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 1-1 मरीज की मौत हुई है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 21 मौतें हुई हैं।
गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल ने बुधवार को कहा कि सर्दी-खांसी और गले में दर्द होने पर खुद को क्वारंटीन कर लेना चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर जाने से बचें। राज्य में बढ़ते मामलों के बीच राज्य सरकार केंद्र से संपर्क में है।

कई जिलों में रूक-रूक कर लगातार हो रही बारिश से बिगड़े हालात

कर्नाटक में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात, स्कूल बंद-रेड अलर्ट जारी

बेंगलुरु ■ एजेंसी

कर्नाटक में एक बार फिर मौसम ने करवट बदल ली है। राज्य के उत्तरी जिलों में लगातार बारिश हो रही है। इस बीच निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन चुके हैं। धारवाड़ जिले में गुरुवार के लिए भी भारी बारिश की तेजावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। ऐसे में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन भी तैयारियों में लगा हुआ है। आम लोगों को भी सूचित किया जा रहा है।

धारवाड़ जिले के कई इलाकों में कल देर शाम से रुक रुक कर तेज बारिश हो रही है, जिसके चलते कुछ निचले इलाकों में जल जमाव के हालात बन गए हैं। रेड अलर्ट को देखते हुए डिप्टी कमिश्नर और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की प्रमुख दिव्या प्रभु ने महकमों को अलर्ट पर रहने को कहा है।

तुप्परीहल्ला और बेनिहल्ला जलग्रहण क्षेत्रों में संभावित बाढ़ जैसी स्थितियों के मद्देनजर निचले इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों से सतर्क रहने और सभी आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की गई है। इसी तरह कर्नाटक के तटीय जिलों में भी भारी बारिश का अलर्ट है। उडुपी जिले में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है, जिसके चलते स्कूल और आंगनवाड़ी में आज अवकाश की घोषणा की गई है। जिला प्रशासन ने आम लोगों को आगाह करते हुए एडवाइजरी जारी की है।

हुबली-धारवाड़ नगर निगम (एचडीएमसी) ने नागरिकों को अनावश्यक यात्रा से बचने और जब तक आवश्यक न हो घर के अंदर रहने की सलाह दी है। आपातकालीन सेवाएं स्टैंडबाय पर हैं और स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। आपातकालीन सहायता या घटनाओं की रिपोर्ट करने के लिए, लोग एचडीएमसी हेल्पलाइन 0836-2213888 / 8277803778 पर संपर्क कर सकते हैं।दक्षिण भारत में मानसून की दस्तक पिछले महीने ही हो गई थी। हालांकि, एक सप्ताह तक भारी बारिश के बाद मानसून शांत हो गया था। अब मानसून दोबारा सक्रिय हुआ है। ऐसे में केरल के भी कई जिलों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। आईएमडी ने इसी के साथ गुरुवार को दो जिलों के लिए, शुक्रवार को चार जिलों के लिए, शनिवार को नौ जिलों के लिए और रविवार को 14 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है रेड अलर्ट जारी होने पर आम लोगों को अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी उठाने चाहिए। वहीं, ऑरेंज अलर्ट पर पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। जबकि, येलो अलर्ट होने पर हालातों पर नजर बनाए रखनी चाहिए। ऑरेंज अलर्ट का अभिप्राय है कि 24 घंटे के भीतर 11 सेमी से 20 सेमी तक मूसलाधार बारिश हो सकती है, जबकि येलो अलर्ट का मतलब है छह सेमी से 11 सेमी के बीच भारी बारिश हो सकती है। आईएमडी ने तटीय क्षेत्र में तेज हवाओं और खराब मौसम की स्थिति की आशंका के मद्देनजर मछुआरों को बुधवार से रविवार तक केरल-कर्नाटक-लक्षद्वीप तटों पर मछली पकड़ने के लिए नहीं जाने की भी सलाह दी है।

बिहार समेत 15 राज्यों में अगले 48 घंटे के दौरान भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और पूर्वी राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। देश के मैदानी इलाकों में सबसे अधिक अधिकतम तापमान गंगानगर में 48.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 14 जून से उत्तर-पश्चिमी भारत में लू की स्थिति में धीरे-धीरे राहत मिलने की संभावना है। भीषण गर्मी के बीच, मानसून के सक्रिय चरण में प्रवेश करने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, एक नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो रहा है। इसकी वजह से 13 जून से उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों में भारी बारिश हो सकती है। 13 और 14 जून को कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होगी। मौसम विभाग ने बताया कि अगले 24 घंटे के दौरान तमिलनाडु, कर्नाटक, पुडुचेरी, कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ तेज बारिश की संभावना है।

गोवा में 11, 13 और 15 साल की तीन लड़कियों से रेप, बर्थडे मनाने आई थीं

पणजी ■ एजेंसी

उत्तर गोवा जिले के एक गेस्ट हाउस में तीन नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने गेस्ट हाउस के मालिक और मैनेजर को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक कुल चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार एक ही इमारत में रहने वालीं 11, 13 और 15 वर्ष की उम्र की इन लड़कियों से सात और आठ जून को कलंगुट इलाके में स्थित गेस्ट हाउस में दो लोगों ने दुष्कर्म किया था। अधिकारियों के मुताबिक, ये पांचों एक साथ गेस्ट हाउस में ठहरने के लिए पहुंचे थे। इनमें दो बड़ी लड़कियां बहनें हैं। पीड़ित लड़कियों के परिजनों ने 8 जून को शिकायत दर्ज कराई थी कि लड़कियां एक दिन पहले से लापता हैं। पुलिस ने कई टीमें गठित कीं और उसी दिन लड़कियों को गेस्ट हाउस से सुरक्षित निकालते हुए दो युवकों 19 साल के अल्ताफ मुझावर और 21 साल के ओम नाइक को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधीक्षक राहुल गुप्ता ने बताया कि गेस्ट हाउस के मालिक रजत चौहान (31) और मैनेजर मंसूर पीर (35) को बुधवार रात गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि उन्हें नाबालिग लड़कियों को उनके माता-पिता की सहमति और सत्यापन के बिना गेस्ट हाउस में ठहराने, कानून का उल्लंघन करने और अपराध को बढ़ावा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। गोवा पुलिस ने बताया कि आरोपी और पीड़ित सभी लोग दोस्त हैं।

आसिम मुनीर को यूएस आर्मी डे में बुलाया जाना भारत के लिए बड़ा झटका

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि असिम मुनीर को 14 जून को आयोजित हो रहे यूएस आर्मी डे के लिए आमंत्रित किया गया है। ये वही आसिम मुनीर है, जिसने पहलगाम आतंकी हमले से कुछ दिन पहले ही भड़काऊ और विभाजनकारी बयान दिया था। अमेरिका द्वारा भारत-पाकिस्तान को एक साथ जोड़े जाने पर कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से अपनी जिद छोड़ने और सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि ऐसी खबरें आ रही हैं कि पाकिस्तानी सेना के प्रमुख आसिम मुनीर को अमेरिका के आर्मी डे पर आमंत्रित किया गया है। यह खबर भारत के लिए कूटनीतिक के साथ ही रणनीतिक रूप से भी बड़ा झटका है।

अनंत अंबानी ने श्री गंगा सभा को दिए पांच करोड़ रुपये

हरिद्वार। देश के प्रमुख उद्योगपति अनंत अंबानी ने हरिद्वार की हरकी पैड़ी की प्रबंधकारिणी संस्था श्री गंगा सभा को पांच करोड़ रुपये की धनराशि दान स्वरूप भेंट की है। यह राशि अंबानी परिवार की ओर से धार्मिक और सामाजिक कार्यों के लिए प्रदान की गई है। इस संबंध में श्री गंगा सभा के महामंत्री तन्मय वशिष्ट ने हाल ही में मुंबई में अनंत अंबानी से भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच धार्मिक और सामाजिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। सभा द्वारा हरकी पैड़ी पर की जा रही व्यवस्थाओं और सतत सेवा कार्यों से प्रभावित होकर अनंत अंबानी ने यह महत्वपूर्ण सहयोग राशि प्रदान की।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अमरनाथ गुफा में की प्रथम पूजा, वार्षिक यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी

श्रीनगर ■ एजेंसी

अमरनाथ गुफा में बुधवार को हर-हर महादेव के नारे के साथ बाबा बर्फानी को नमन किया गया और पवित्र गुफा में प्रथम पूजा की गई, जो वार्षिक अमरनाथ यात्रा की औपचारिक शुरुआत है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यात्रा की औपचारिक शुरुआत करते हुए अमरनाथ गुफा में प्रथम पूजा की। उन्होंने कहा कि 3 जुलाई से शुरू होने वालीअमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने तीर्थयात्रियों से बड़ी संख्या में अमरनाथ गुफा मंदिर में आने का आग्रह किया। उपराज्यपाल ने कहा कि 9 अगस्त को रक्षा बंधन पर समाप्त होने वाली यात्रा के लिए श्राइन बोर्ड और प्रशासन ने तीर्थयात्रियों की सुविधाओं में सुधार किया है। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और अन्य सीएपीएफ ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं, इसलिए मुझे लगता है कि किसी को कुछ भी सोचने की जरूरत नहीं है। उन्हें यहां आकर बाबा का आशीर्वाद लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, सेना, बीआरओ, सीएपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सभी हितधारक परेशानी मुक्त और सुरक्षित तीर्थयात्रा के लिए पूरी निष्ठा, समर्पण, सहयोग और स्पष्ट उद्देश्यों के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों, नागरिक समाज और सभी सेवा प्रदाताओं का अमूल्य योगदान हमेशा असाधारण रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि सुविधाओं और सेवाओं में महत्वपूर्ण सुधार यह सुनिश्चित करेंगे कि इस वर्ष की तीर्थयात्रा सभी भक्तों के लिए यादगार और आध्यात्मिक रूप से संतुष्टिदायक हो। इस साल की 38 दिवसीय यात्रा 3 जुलाई को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में बालटाल और पहलगाम से शुरू होगी।

पूरी ताकत से ईरान पर हमले की तैयारी में इजरायल

वाशिंगटन। दुनिया एक और युद्ध का गवाह बनने की दहलीज पर है. सीबीएस न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि अमेरिकी अधिकारियों को बताया गया है कि इजरायल ईरान में सैन्य अभियान शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है. अमेरिका को आशंका है कि ईरान अपने पड़ोसी देश इराक में कुछ अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई कर सकता है. यही कारण है कि अमेरिका ने बुधवार को अपने नागरिकों को मध्य पूर्व के कुछ देशों से बाहर निकलने के लिए एडवाइजरी जारी की, जबकि विदेश विभाग ने गैर-आपातकालीन सरकारी अधिकारियों को बढ़े हुए क्षेत्रीय तनाव के कारण इराक से बाहर निकलने का आदेश दिया। मध्य पूर्व मामलों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ आने वाले दिनों में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर छठे दौर की वार्ता के लिए उसके शीर्ष नेतृत्व से मिलने की योजना बना रहे हैं. ट्रंप ने गुरुवार को कैनेडी सेंटर में लेस मिजरेबल्स के प्रदर्शन में भाग लेते हुए कहा कि अमेरिकी सैन्य कर्मियों को मध्य पूर्व के कुछ देशों से बाहर निकाला जा रहा है, क्योंकि यहां उनके लिए संभावित खतरा हो सकता है।

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (सिग्नल एवं दूर संचार) पश्चिम मध्य रेल, भोपाल भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा उनके लिये कार्य करते हुये निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते है। इन टेण्डर्स के तहत मैनुअल प्रस्ताव मान्य नहीं होगे एवं ऐसे प्राप्त कोइ भी प्रस्ताव नहीं किया जायेगा। निविदा से संबंधित दस्तावेज वेबसाईट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिये गये है। निविदा सूचना एवं क्रमांक- बीपीएलएनवर्क्स2025-26 सिग्नल 06, कार्य का नामः BPL-DIV: इन्हेसिंग दी सिस्टम रिलायबिलिटी वाय प्रोविसन ऑफ डिजिटल एक्सल काउंटर इन पैरेलल विथ DC ट्रेक सर्किट एट झुझारपुर, कार्य की अनुमानित लागत- 3,07,07,379.15, निविदा फार्म की कीमत- लागू नहीं, जमा की जाने वाली बयाना राशि- 3,03,500.00, कार्य समापन की अवधि- 06 माह, निविदा जमा करने एवं खोलने की दिनांक एवं समय- दिनांक 30.06.2025 को 15:00 बजे तक, दिनांक 30.06.2025 को 15:30 बजे, मिनिमम एलिजिबिटि क्राईटेरिया- MEC Applicable निविदाकर्ता/बिडर्स के पास क्लास III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट होना आवश्यक है एवं IREPS पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिये। केवल पंजीकृत निविदाकर्ता/बिडर्स ही-टेंडरिंग में भाग ले सकते है। ई-टेंडरिंग के दौरान ही सभी संबंधित दस्तावेज अपलोड करना आवश्यक है। पेमेंट गेटवे के द्वारा ऑनलाईन भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। निविदा दस्तावेज की कीमत, बयाना राशि आदि का भुगतान ऑनलाइन मल्टीपल नेटबैंकिंग, डेबिट एवं क्रेडिट कार्ड द्वारा किया जा सकता है।

मंडल रेल प्रबंधक (सिग्नल एवं दूरसंचार
पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

यह दवा अमूल्य है

खूनी बवासीर के मरीजों के लिये आवश्यक सूचना

1. क्या आप खूनी बवासीर से पीड़ित है।
2. डाक्टरों, हकीमों और वैद्यों का ईलाज करा-करा कर थक गये हैं।
3. निरंतर खून आने से शरीर अत्यंत दुर्बल और कमजोर हो जाता है।

तो आइये मात्र 6 पुड़िया आपके जीवन को चिंताओं से मुक्त कर सकती है और आप फिर से पूर्ण मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करने के लिये सक्षम हो सकते हैं।
तो आज ही हमारे निम्न पते पर आये और निःशुल्क दवा प्राप्त करें।

दैनिकअमृत दर्शन

6, पत्रकार नगर कोलार रोड, भोपाल-462003, मो. 9827054436

श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो भारत दौरे पर

यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को बढ़ाने के साथ साझेदारी के नए रास्ते तलाशना?

नई दिल्ली ■ एजेंसी

श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो बुधवार को चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। यात्रा के पहले दिन की शुरुआत नई दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद उन्होंने उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मुलाकात की। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को बढ़ाने के साथ साझेदारी के नए रास्ते तलाशना है।

श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके देश की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस समारोह में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इसके बाद कई उच्च स्तरीय बैठकें हुईं। इसकी शुरुआत भारतीय सेना के उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि के साथ गहन बातचीत से हुई। दोनों सैन्य अधिकारियों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं के पहलुओं सहित व्यापक मुद्दों पर चर्चा की। लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो को ऑपरेशन सिंदूर और भारत के सुरक्षा परिप्रेक्ष्य के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें भारतीय सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी आपसी हितों के मामलों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो ने नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मुलाकात की। इन बैठकों में आपसी हितों के मामलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक रक्षा और सुरक्षा मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। नौसेना प्रमुख के साथ बैठक में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई।

भोपाल में 90 डिग्री घुमाव वाले रेलवे ओवरब्रिज पर उठे सवाल

पहले नहीं देखा होगा शायद ऐसा पुल

पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने लिया संज्ञान

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल में ऐशबाग स्टेडियम के पास बना रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) अपने उद्घाटन से पहले ही चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि इसमें 90 डिग्री का अजीबोगरीब मोड़ है, जिससे स्थानीय लोगों को यात्रियों के लिए संभावित जोखिम की चिंता है। वहीं इसके निर्माण में जुड़े अफसरों का तर्क है कि जमीन की कमी और पास में मेट्रो रेल स्टेशन की मौजूदगी को देखते हुए उनके पास इसे इस तरह बनाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था। वहीं मामला सुर्खियों में आने के बाद पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने इस पूरे मामले पर संज्ञान लिया है।

आज रिपोर्ट प्रस्तुत होगी

मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि भोपाल के ऐशबाग क्षेत्र में बने रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) को लेकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की टीम द्वारा स्थल निरीक्षण कर लिया गया है। टीम द्वारा गुरुवार को तकनीकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी, जिसके आधार पर आगामी निर्णय एवं आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। ऐशबाग रेलवे ओवरब्रिज के 90 डिग्री मोड को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे।

90 डिग्री मोड़ के कारण एक्सीडेंटल ज़ोन बनने की आशंका के बीच मंत्री ने जांच की बात कही है।

बता दें कि मार्च 2023 में इसका निर्माण शुरू होने से पहले सरकार ने कहा था कि इसके चालू होने से ऐशबाग क्षेत्र के लोगों को न तो रेलवे क्रॉसिंग पर इंतजार करना पड़ेगा और न ही लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा। साथ ही दावा किया कि इससे हर दिन करीब तीन लाख लोगों को फायदा होगा। अधिकारियों ने बताया कि 18 करोड़ रुपये की लागत से बना यह ओवरब्रिज 648 मीटर लंबा और 8.5 मीटर चौड़ा है। हालांकि, इसके 90 डिग्री के घुमाव के कारण, सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के साथ-साथ स्थानीय निवासियों ने भी इसके डिजाइन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के मोड़ से दुर्घटनाएं हो सकती हैं, क्योंकि कोण के कारण वाहनों को मोड़ से गुजरने में कठिनाई हो सकती है।

ऑनलाइन गेमिंग के चक्कर में बुरी तरह फंस गया था छात्र

जांच में चौकाने वाला खुलासा हुआ

भोपाल ■ अमृत दर्शन

अवधपुरी इलाके में बीटेक के छात्र द्वारा फांसी लगाकर की गई खुदकुशी के मामले में पुलिस ने एक साल की जांच के बाद चार दोस्तों के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज किया है। जांच में चौकाने वाला खुलासा हुआ है कि दोस्तों के बहकावे में आकर वह ऑनलाइन गेमिंग के दलदल में फंस गया था।

दोस्तों ने उसे ऑनलाइन गेमिंग के ग्रुप में जोड़ लिया था। ऑनलाइन गेमिंग में रकम लगाने के लिए उसने अपनी सफारी गाड़ी और लैपटॉप तक बेच दिया था। जब उसके साथ धोखाधड़ी हुई तो मुश्किल समय में दोस्तों ने उसका साथ छोड़ दिया था। अवधपुरी पुलिस ने छात्र के चार दोस्तों के खिलाफ खुदकुशी के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है।

एएसआई शिव बाबू त्रिपाठी ने बताया कि मूलतः ग्राम बोरगांव सौंसर, छिंदवाड़ा निवासी गौतम निर्मलकर ऊषाप्रभा कॉलोनी, अवधपुरी में किराए से रहकर निजी कालेज में बीटेक की पढ़ाई कर रहा था। कालेज में क्लासमेट रोहित और रोहन उसके रूम पार्टनर थे। उन दोनों ने मिलकर अपने दो अन्य दोस्त दवा का काम करने वाले अभिषेक गोयल और बैंक कर्मचारी सुनील नायक से मिलवाया था। दोस्तों ने गौतम को थर्ड गेमिंग खिलवाने को उकसाया। खाता शुरू करने के लिए 1.20 लाख रुपए जमा करने थे। उसने सफारी और लैपटॉप 1.20 लाख रुपए में गिरवी रखकर खाते में राशि जमा कर दी। दोस्तों ने भी 20 हजार रुपए जमा किए। पांचों ने मिलकर थर्ड गेमिंग ऑनलाइन गेम में एक खाता खुलवा लिया। गौतम ने 50 हजार रुपए अपने पिता के खाते से खर्च कर लिए। चारों दोस्तों ने खाता शुरू करने के लिए गौतम को सलाह दी थी कि कि वह कार और लैपटाप गिरवी रखकर 1.20 लाख रुपए गुड़गांव के खाते में ट्रांसफर कर दे। गौतम ने ऐसा ही किया और एक लाख 20 हजार रुपए ऐप में जमा किया, जबकि अन्य चार लोगों ने मिलकर महज 20 हजार रुपए ही गेमिंग के लिए खाते में डाले। लेकिन रुपए जैसे ही एक बैंक खाते में डाले गए तो गेम संचालिका ने रुपए निकाल लिए।

जांच के बाद नोटरी को हटाने का आदेश जारी

नोटरी पर शादी कराने वाले का प्रमाण पत्र रद्द

भोपाल। नोटरी के जरिए शादी, निकाहनामा और लिव-इन रिलेशनशिप कराने पर राज्य शासन के आदेश पर अशोक कुमार अग्रवाल का नोटरी प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्हें स्थायी रूप से नोटरी का काम करने से भी प्रतिबंधित कर दिया गया है।

भोपाल में यह पहला मामला है, जब इस तरह की गतिविधियों को लेकर किसी नोटरी पर इतनी सख्त कार्रवाई की गई है। इस मामले की जांच भोपाल जिला न्यायालय के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने की थी। जांच प्रतिवेदन मध्यप्रदेश शासन के विधि और विधायी कार्य विभाग को भेजा गया था। जांच और मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के निर्देशों के आधार पर अग्रवाल का नोटरी प्रमाण पत्र निरस्त करने का निर्णय लिया गया। बता दें कि अशोक कुमार अग्रवाल भोपाल जिला न्यायालय परिसर में बैठते थे।

25 करोड़ के मछली पालन टेंडर में गड़बड़ी का आरोप

▶ सीजीएम बोले- जांच कमेटी बनीं ▶ एमडी ने कहा-प्रक्रिया नियमानुसार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रदेश के टीकमगढ़ जिले में 25 करोड़ रुपये के मछली के ठेके के टेंडर में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि वानसुजारा तालाब में मछली के ठेके के लिए जारी टेंडर की शर्तों को ताक पर रखकर एक खास फर्म को फायदा पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके विरोध और शिकायत के बाद भी अधिकारियों ने संबंधित फर्म के आवेदन को स्वीकार कर तकनीकी निविदा में पास कर दिया, जिससे पूरे प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, टीकमगढ़ के वानसुजारा तालाब में मछली का ठेका लेने का टेंडर भरने की अंतिम तिथि 19 मई थी, जिसमें कुल सात आवेदकों ने हिस्सा लिया। टेंडर की शर्तों के अनुसार, यदि किसी कंपनी द्वारा आवेदन किया जाता है तो कंपनी के दस्तावेज अनिवार्य हैं, जबकि व्यक्तिगत आवेदन पर व्यक्तिगत दस्तावेजों की जरूरत होती है। 20 मई को जब टेंडर खोले गए, तो एक फर्म मेसर्स चौधरी फिश सेंटर द्वारा कंपनी के रूप में आवेदन किया गया, लेकिन उसके साथ जो दस्तावेज जमा किए गए, वे किसी नईम नामक व्यक्ति के थे। यह शर्तों का सीधा उल्लंघन था।

पहले आवेदन निरस्त करने की बात, फिर अचानक मंजूरी: इस गड़बड़ी का अन्य प्रतिभागियों ने कड़ा विरोध किया। टेंडर समिति ने पहले संबंधित आवेदन को निरस्त करने की बात कही, लेकिन दो दिन बाद उस फर्म का फॉर्म स्वीकार कर उसे तकनीकी रूप से सही बता दिया गया। इतना ही नहीं, उसी फर्म से जुड़े तीन टेंडर भी डाले गए, जिससे संदेह और गहरा हो गया।

शिकायतकर्ता बोले- कार्रवाई नहीं हुई तो जाएंगे कोर्ट

इस पूरे प्रकरण की शिकायत करने वाली मेसर्स यश इंटरप्राइजेस के राजेंद्र सिंह ने कहा कि उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को इस मामले की सूचना दी है। साथ ही मुख्यमंत्री कार्यालय को भी पूरी गड़बड़ी से अवगत करा रहे हैं। यदि मामले में कार्रवाई नहीं हुई, तो न्यायालय की शरण में जाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

सीजीएम और एमडी के बयान विरोधाभासी

इस मामले पर मत्स्य महासंघ के सीजीएम रवि गजभिये ने कहा है कि शिकायत पर एमडी मैडम ने जांच कमेटी गठित कर दी है। वहीं, एमडी निधि निवेदिता का कहना है कि जब टेंडर की तकनीकी निविदा खोली गई तो शिकायत आई थी, जिसके बाद सीए से अभिमत लेकर आगे की कार्रवाई की गई। वहीं, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग की एमडी निवेदिता ने कहा कि कंपनी का नाम लिखा था, लेकिन दस्तावेज व्यक्ति के लगे थे। हमने सीएस से अभिमत लेकर कार्रवाई की है। एमडी और सीजीएम के ये विरोधाभासी बयान मामले को और उलझा रहे हैं और गड़बड़ी की आशंका को बल दे रहे हैं।

लात-घूसों की मार से आया था हार्ट अटैक, 5 साल की सजा

भोपाल। उधारी के महज 1500 रुपए नहीं लौटाने पर हत्या जैसी गंभीर वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी प्रमोद राठौर को जिला अदालत ने दोषी करार देते हुए 5 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव की कोर्ट ने आरोपी पर एक हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। मामले में शासन की ओर से लोक अभियोजक पीएन सिंह राजपूत ने पैरवी की। कोर्ट ने अपने फैसले में माना कि प्रमोद राठौर ने मृतक मुकेश मालवीय के साथ लात-घूंसों से मारपीट की, जिससे उसे सीने में तेज दर्द हुआ और खून की उल्टियां भी हुईं। इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन मुकेश की रास्ते में ही मौत हो गई। मेडिकल जांच में मृत्यु का कारण दिल का दौरा पाया गया, जो मारपीट से उत्पन्न तनाव और चोटों के चलते हुआ।

भोपाल। आज किरार धाकड़ क्षत्रिय समाज न्यास द्वारा किरार धाकड़ भवन के लोकार्पण के संबंध में 9 मसाला में पत्रकार वार्ता आयोजित की इस पत्रकार वार्ता में किरार धाकड़ क्षत्रिय समाज के ट्रस्ट के अध्यक्ष शंकर सिंह चौहान और सुरजीत सिंह चौहान के द्वारा पत्रकार वार्ता में बताया कि 15 जून को किराड धाकड़ क्षत्रिय समाज के भवन का लोकार्पण केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, साधना सिंह, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर सहित अनेक अतिथियों के द्वारा किया जाएगा।

पटवारी को 15 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा, लोकायुक्त की कार्रवाई

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पटवारी को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मामला बैरसिया तहसील के ग्राम दामखेड़ा का है, जहां पटवारी अविनाश सिंह ने सीमांकन कराने के एवज में 30 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। आरोपी को 15 हजार की पहली किस्त लेते हुए लोकायुक्त टीम ने धर दबोचा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता इंसाफ खां, निवासी झीलकारिया खुर्द, तहसील बैरसिया, ने 10 जून 2025 को लोकायुक्त कार्यालय भोपाल में लिखित आवेदन प्रस्तुत किया था। इसमें बताया गया कि उसके पिता द्वारा पैतृक भूमि का बंटवारा एक वर्ष पूर्व चार बेटों में कर दिया गया है। अब वह उस भूमि का सीमांकन करवाना चाहता था।

इस प्रक्रिया में पटवारी अविनाश सिंह प्रति एकड़ 2,000 रुपए की दर से 30,000 हजार की रिश्वत मांगी गई। शिकायत पर लोकायुक्त के प्रभारी पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र सिंह ने उप पुलिस अधीक्षक मंजू सिंह को सत्यापन की जिम्मेदारी सौंपी। सत्यापन में रिश्वत की मांग की पुष्टि हुई, जिसके बाद बुधवार को ट्रैप की कार्रवाई की गई। टीम ने पटवारी अविनाश सिंह को ग्राम दामखेड़ा में आवेदक से 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया।

चीफ सिटी प्लानर छुट्टी पर, एई ने मॉल और स्कूल के लिए दे दी गलत परमिशन, सस्पेंड

भोपाल। होशंगाबाद रोड स्थित विद्या नगर में 20000 वर्ग फीट के सेमी कमर्शियल (रेसीडेंशियल कम कमर्शियल) प्लॉट पर दस मंजिल शॉपिंग मॉल की अनुमति जारी हो गई। यहां केवल ग्राउंड फ्लोर पर ही कमर्शियल अनुमति दी जा सकती थी। इसके अलावा कोलार के दानिश कुंज इलाके में पार्क के लिए आरक्षित डेढ़ एकड़ जमीन पर स्कूल बनाने की अनुमति दे दी गई। यह दोनो? बिल्डिंग परमिशन 31 मार्च से 2 मई के बीच जारी की गई। इस दौरान चीफ सिटी प्लानर अनूप गोयल अवकाश पर थे और असिस्टेंट इंजीनियर लालजी सिंह चौहान के पास उनका प्रभार था। छुट्टी से लौटने पर गोयल को जब जानकारी मिली तो उन्होंने मामले की जांच कराई।

आंधी के चलते रानी कमला स्टेशन भवन के दो छज्जे भरभराकर नीचे गिर गए

भोपाल समेत कई जिलों में आंधी-बारिश की संभावना

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच आंधी-बारिश का भी दौर शुरू हो गया है। बुधवार को रात में भोपाल में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। वहीं कुछ क्षेत्रों में बारिश और आंधी चली जिससे पेड़ उखड़ गए। हवा और आंधी ने राजधानी में अचानक कहर बरपा दिया। इसका सबसे बड़ा असर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की पुरानी बिल्डिंग पर देखने को मिला, जहां तेज आंधी के चलते भवन के दो छज्जे भरभराकर नीचे गिर गए।

छज्जे गिरने से स्टेशन की पुरानी बिल्डिंग के अंदर और बाहर मलबा फैल गया। बाहर स्थित रेस्टोरेंट को भी नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा तेज हवाओं के कारण प्लेटफार्म नंबर-5 की तरफ लगे एडवर्टाइजमेंट बोर्ड और स्टेशन की बिल्डिंग के कांच भी टूट गए।

प्रदेश में मानसून की एंट्री 14 या 15 जून को हो सकती है। वहीं गुरुवार को ग्वालियर, चंबल-सागर संभाग के 12 जिलों में लू चलने की संभावना है। इनमें से 7 जिले-भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में ऑरेंज अलर्ट है।

मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर के अलावा ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, सागर में भी लू चलेगी।वहीं, भोपाल, विदिशा, शाजापुर, रायसेन, सीहोर, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर में आंधी-बारिश एवं गरज-चमक का अलर्ट है।

बुधवार को लगातार 5वें दिन भी भीषण गर्मी का असर देखा गया। ग्वालियर समेत 6 शहर ऐसे रहे, जहां पारा 44 डिग्री या इससे अधिक पहुंच गया। सबसे गर्म छतरपुर जिले का नौगांव रहा। यहां तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बुधवार को रात में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। वहीं कुछ क्षेत्रों में बारिश और आंधी के चलते पेड़ उखड़ गए।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित । फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।